हरिभूमि
रायपुर भूमि

त्योहार के दौरान पटाखे फूटने के बाद भी गति अधिक होने से प्रदूषित नहीं हो पाई हवा

लक्ष्मी पूजा की रात ही देर तक चली आतिशबाजी, शेष दिनों में मध्यम रहा असर

इस दिवाली शुद्ध रही शहर की हवा...एक्यूआई संतोषजनक सिलतरा का सर्वाधिक आंकड़ा भी 100 से नीचे रहा

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

अलग खबर

पिछली बार पटाखों के धुएं से काफी हद तक प्रदूषित हुई शहर की हवा इस बार सुकून देने वाली रही। दीपावली के दौरान शहर में हवा की गति अधिक होने की वजह से जोरदार आतिशबाजी के बाद भी प्रदूषण ठहर नहीं पाया। सेंट्रल पाल्युशन कंट्रोल बोर्ड के एयर क्वालिटी इंडेक्ट में छोटी दीवाली की रात ही सिलतरा का सर्वाधिक आंकड़ा 94 तक पहुंचा। मानकों के अनुसार 50 से 100 फीसदी का आंकड़ा शुद्धता के मामले में संतोषजनक माना जाता है। त्योहार के दौरान फूटने वाले पटाखों के बारूद मिश्रित धुएं के प्रभाव से शहर का वातावरण प्रदूषित होने का डर था। हमेशा की तरह इस बार भी लक्ष्मी पूजा की रात शहर में देर रात तक आतिशबाजी हुई। ⏭शेष पेज 11 पर

पिछली बार डेढ़ सौ के पार हुआ था इंडेक्स

पिछले साल फटाखा फूटने के बाद निकले धुएं ने पर्यावरणविदों की चिंता बढ़ा दी थी। उस दौरान दीपावली की रात फूटे पटाखों की वजह से भाठागांव बस स्टैण्ड का इंडेक्स 165 तक पहुंच गया था। एक्स का इंडेक्स 106, सिलतरा में इंडेक्स के अंक 117 तक दर्ज किया गया था। इस बार हवा के साथ ढेने की वजह से वायु प्रदूषण चिंता की वजह नहीं बन पाया। इस दिवाली एयर क्वालिटी इंडेक्ट 100 की संख्या तक नहीं पहुंच पाया।

ऐसे समझें एक्यूआई की स्थिति

- 0-50 :- अच्छी हवा शुद्ध मानी जाती है सामान्य लोगों पर कोई प्रभाव नहीं।
- 51-100 :- संतोषजनक, हल्की धूल या प्रदूषण, संवेदनशील लोगों को हल्की परेशानी।
- 101-200 :- मध्यम हवा में प्रदूषण बढ़ने लगता है दमा या हृदय रोगियों को दिक्कत।
- 201-300 :- हवा शुद्ध नहीं, स्वास्थ्य के लिए हानिकारक सांस व हृदय पर असर।
- 301- 400 :- बहुत खराब, गंभीर प्रदूषण सामान्य व्यक्ति भी प्रभावित।
- 401- 500 :- गंभीर बेहद प्रदूषित, अस्वास्थ्यकर सांस लेना खतरनाक।

ऐसा रहा एक्यूआई का डेटा

क्षेत्र	18	19	20	21 अक्टूबर
सिलतरा	—	94	69	55
कृषक नगर	49	49	55	19
भाठागांव	79	56	67	39
एक्स	69	76	20	48

खबर संक्षेप

लूट का विरोध, चाकू से जानलेवा हमला

रायपुर। धरसींवा थाना क्षेत्र के सिलतरा चौकी में लूट का विरोध करने पर चाकू से जानलेवा हमला करने के आरोप में पुलिस ने दो बदमाशों को गिरफ्तार किया है। वंदना ग्लोबल के कर्मी प्रमोद कुमार साहू की शिकायत पर पुलिस ने ताराचंद बांधे, नरेंद्र दांडेकर को गिरफ्तार किया है। बदमाशों प्रमोद से लूट करने कर रहे थे, इस दौरान प्रमोद के साथी ने विरोध किया तो बदमाशों ने प्रमोद के साथी पर चाकू से जानलेवा हमला किया।

बीच-बचाव करने पर हथौड़ी से हमला

रायपुर। टिकरापारा थाना में एक युवक ने एक अन्य युवक तथा उसके साथी के खिलाफ झगड़ा के दौरान बीच-बचाव करने पर हथौड़ी से हमला करने की रिपोर्ट दर्ज कराई है। दुर्गा नगर निवासी सुदेश चंद्र ने सन्नी पाण्डेय तथा उसके साथी के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई है। सुदेश ने पुलिस को बताया है कि सन्नी तथा उसका साथी किसी के साथ झगड़ा कर रहे थे। वह बीच-बचाव करने पहुंचा तो सन्नी तथा उसके साथी ने सुदेश पर हथौड़ा से वार कर चोट पहुंचाई।

लेन-देन के विवाद पर बॉटल से हमला

रायपुर। देवेंद्र नगर थाना में एक युवक ने दो अन्य युवक के खिलाफ लेन-देन के विवाद पर बॉटल से हमला कर चोट पहुंचाने की रिपोर्ट दर्ज कराई है। त्रिमूर्ति नगर निवासी नितिन महनंद ने विक्की तथा रॉकी महानंद के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई है। नितिन ने पुलिस को बताया है कि विक्की तथा उसका साथी लेन-देन की बात को लेकर उसके साथ विवाद करते हुए सिर पर बॉटल से हमला कर दिया।

धक्का लगने के विवाद पर मारपीट

रायपुर। खम्हारडीह थाना में एक युवक ने एक अन्य युवक के खिलाफ गौरा-गौरी विसर्जन के दौरान धक्का लगने के विवाद पर मारपीट करने की रिपोर्ट दर्ज कराई है। गांधी नगर निवासी दिलीप सोना ने इंदर बघेल के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई है। दिलीप ने पुलिस को बताया है कि मोहल्ले में गौरा-गौरी विसर्जन करने सभी लोग निकले थे। इस दौरान इंदर को धक्का लग गया। इस बात को लेकर इंदर ने दिलीप के साथ विवाद करते हुए मारपीट की।

शराब पीने पैसा नहीं देने पर चाकू से हमला

रायपुर। पुरानी बस्ती थाना में एक युवक ने दो लड़कों के खिलाफ शराब पीने के लिए पैसा नहीं देने पर चाकू से हमला करने की रिपोर्ट दर्ज कराई है। भीम नगर निवासी जागेश्वर देवांगन ने भुक्कू यादव तथा उसके एक अन्य साथी के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई है। जागेश्वर ने पुलिस को बताया है कि भुक्कू तथा उसका साथी उससे शराब पीने पैसों की मांग कर रहे थे। पैसा देने से इनकार करने पर भुक्कू तथा उसके साथी ने जागेश्वर के साथ मारपीट कर चाकू से हमला कर फरार हो गए।

पुलिस की सख्ती फेल, बात-बात पर चाकू निकालते रहे बदमाश

दीपावली पर खून खराबा, युवक की हत्या एक दर्जन से ज्यादा जगहों पर चले चाकू

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

पिछले वर्ष की तरह इस वर्ष भी दीपावली पर चाकूबाजी के साथ हत्या की घटना हुई है। राजधानी में पिछले तीन दिनों के अंदर चाकूबाजी की एक दर्जन से ज्यादा घटनाएं हुई हैं। दो सगे भाइयों ने जुआ लेन-देन के विवाद पर एक युवक की कैंची से हत्या कर दी। हत्या की घटना पुरानी बस्ती थाना क्षेत्र के भाठागांव बीएसयूपी कालोनी में हुई है। आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है।

ताहिर हुसैन की हत्या के आरोप में पुलिस ने सूरज यादव, मदन यादव को गिरफ्तार किया है। मंगलवार को ताहिर बीएसयूपी कालोनी में जुआ खेलने के लिए गया था। जुआ खेलने के दौरान 100 रुपए के लेन-देन की बात को लेकर उनके बीच विवाद हो गया। इसके बाद ताहिर घर लौट आया। सूरज और उसका भाई ताहिर का पीछा करते हुए घर तक पहुंचे। ताहिर जैसे ही अपने घर पहुंचा, सूरज और मदन ने ताहिर के पेट, सीना में कैंची से ताबड़तोड़ वार कर मौत के घाट उतार दिया।

पत्नी-बच्चे चीखते रहे कोई मदद करने नहीं पहुंचा

ताहिर जब घर पहुंचा, तो उसकी पत्नी बच्चों के साथ पटाखा चला रही थी। इसी दौरान मदन तथा उसका भाई ताहिर के घर पहुंचे। ताहिर के घर पहुंचने के बाद दोनों भाइयों ने पत्नी से ताहिर के बारे में पूछा। आवाज सुन कर ताहिर घर से निकला। दोनों भाइयों में से एक भाई ने ताहिर को पीछे से दबोच लिया। दूसरा भाई जेब से चाकू निकालकर ताहिर को मारने लगा। ताहिर पर हमला होते देख पत्नी और बच्चे चीखते रहे, लेकिन बचाने कोई नहीं आया।

जब तक मरा नहीं तब तक मारते रहे

ताहिर को बदमाशों के चंगुल से बचाने उसकी पत्नी ने उन्हें रोकने की कोशिश की। बावजूद इसके बदमाश ताहिर की जब तक मौत नहीं हुई, तब तक चाकू से ताबड़तोड़ वार करते रहे। ताहिर निढाल हो गया, इसके बाद बदमाश उसे मृत हालत में छोड़कर भागे। उल्लेखनीय है कि पिछले वर्ष भी भाठागांव बीएसयूपी कालोनी में जुआ खेलने के विवाद पर दोहरा हत्याकांड हुआ था।

पटाखा चलाने के विवाद पर चाकूबाजी

तेलीबांधा थाना क्षेत्र में रविवार रात पटाखा चलाने के विवाद पर पांच बदमाशों ने दो युवक पर चाकू से वार कर गंभीर रूप से घायल कर दिया। घटना में शामिल चार बदमाशों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। मुख्य आरोपी फरार है। संजू ढीढी, मुकेश साहू की शिकायत पर पुलिस ने जयंत निशाद उर्फ जयंता, करण निषाद उर्फ कान्हा, राकेश निषाद उर्फ राका, भूपेंद्र कुमार विश्वकर्मा को गिरफ्तार किया है। मनीष निषाद फरार है। घटना दिनांक को संजू अपने साथी के साथ शीतला तालाब के पास पटाखा चला रहा था। इस दौरान लड़कों ने उन्हें दूर जाकर पटाखा चलाने कहा। इस बात को लेकर उनके बीच विवाद हो गया। विवाद होने के तीन घंटे के बाद बदमाशों ने संजू तथा उसके साथी के साथ मारपीट कर चाकू से हमला कर दिया।

चादर रैली में चाकूबाजी के साथ मारपीट

कोतवाली थाना में पेशे से एक ऑटो चालक तथा एक अन्य ने बदमाशों के खिलाफ उर्स पाक की चादर रैली में चाकू तथा रॉड से मारने की रिपोर्ट दर्ज कराई है। आरोपी आजाद चौक थाना क्षेत्र के ईदगाह भाठा के रहे वाले हैं। बोरियाखुर्द, आरडीए कालोनी निवासी मोहम्मद खान ने जुबैर, जावेद, सोहेल, सैफी के खिलाफ चाकू से हमला करने की शिकायत दर्ज कराई है। एक अन्य मामले में आर्यन अंसारी ने जिसान, दानिश कुरैशी के खिलाफ रॉड से हमला करने का मामला दर्ज कराया है।

इन थाना क्षेत्रों में भी चाकूबाजी

तीन दिनों के भीतर शहर के कई थाना क्षेत्रों में शराब पीने से लेकर छोटे-मोटे विवाद पर बदमाशों ने एक दर्जन से ज्यादा चाकूबाजी की घटना को अंजाम दिया है। जिन थाना क्षेत्रों में चाकूबाजी की घटनाएं हुई हैं, उनमें आमानका, आजाद चौक, आरंग, टिकरापारा, डीडीनगर तथा पुरानी बस्ती थाना क्षेत्र शामिल हैं।

डेटा जांचने पालकों व छात्रों को मिलेगी वेरिफिकेशन स्लिप

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड ने उम्मीदवारों की सूची, यानी एलओसी में भरे गए विवरणों में बदलाव का मौका देते हुए सुधार विंडो खोली है। बोर्ड ने कक्षा 10वीं और 12वीं के छात्रों, अभिभावकों और स्कूलों से अपील की है कि वे 2025-26 सत्र के लिए तैयार की गई लिस्ट ऑफ कैंडिडेट्स में दर्ज सभी जानकारियों की जांच करें और यदि कोई गलती है तो उसे जल्द से जल्द सुधार लें। आधिकारिक नोटिस के अनुसार, एलओसी डेटा सुधार की विंडो 13 अक्टूबर से खुल चुकी है और यह 27 अक्टूबर 2025 तक सक्रिय रहेगी। इससे पहले 27 अगस्त और 18 सितंबर 2025 को जारी अधिसूचनाओं में सीबीएसई ने स्कूल प्राचार्यों को निर्देश दिया था कि वे विद्यार्थियों का डेटा सही-सही जमा करें। बोर्ड ने बताया कि एलओसी जमा करने के बाद छात्रों और अभिभावकों को एक डेटा ⏭शेष पेज 11 पर

- 27 अक्टूबर तक फिर से खोला गया 10वीं-12वीं के परीक्षा फॉर्म में सुधार के लिए विंडो

नहीं बदल सकेंगे विषय

बोर्ड ने छात्रों से कहना है कि विषयों का चयन सावधानीपूर्वक किया जाए, क्योंकि सुधार अवधि के बाद कोई बदलाव स्वीकार नहीं किया जाएगा। बोर्ड ने स्पष्ट किया है कि 27 अक्टूबर के बाद एलओसी डेटा में सुधार का कोई और मौका नहीं मिलेगा। सभी स्कूलों को निर्देश दिए गए हैं कि वे छात्रों और अभिभावकों को इस शेड्यूल की जानकारी दें और तय समय सीमा के भीतर सभी आवश्यक बदलाव सुनिश्चित करें। सीबीएसई ने कहा कि सही डेटा एंट्री बोर्ड परीक्षाओं के सुचारू संचालन और छात्रों के रिकॉर्ड में भविष्य की गड़बड़ियों से बचने के लिए अत्यंत आवश्यक है।

कार की जांच के दौरान दो लाख गायब, पांच सिपाहियों पर आरोप, एक सस्पेंड

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

एंटी क्राइम एंड साइबर यूनिट (एसीसीयू) के पांच सिपाहियों पर दुर्ग के कारोबारी की जांच के नाम पर उसके दो लाख रुपए चोरी करने के गंभीर आरोप लगे हैं। दुर्ग एसएसपी विजय अग्रवाल के पत्र तथा उनके द्वारा भेजे गए पेन ड्राइव के फूटेज के आधार पर एक सिपाही को एसएसपी डॉ. लाल उम्मेद सिंह ने निलंबित किया है। शेष अन्य के खिलाफ भी कार्रवाई करने तैयारी की जा रही है। सिपाहियों ने कारोबारी की कार से दीपावली के एक दिन पूर्व 18 अक्टूबर को रुपए चोरी किए थे। एसएसपी ने जांच के बाद चोरी का अपराध दर्ज करने की बात की है। दुर्ग एसएसपी के पत्र के आधार पर रायपुर एसएसपी ने आरक्षक प्रशांत शुक्ला को निलंबित किया है। प्रशांत के अलावा धनंजय गोस्वामी, प्रमोद वट्टी, अमित करिया तथा वीरेंद्र भार्गव पर कारोबारी की कार से रुपए चोरी करने का आरोप है। कारोबारी मयंक गोस्वामी ने अपनी शिकायत में बताया कि वे विद्युत नगर, दुर्ग में रहते हैं और धमतरी में बुलेट शोरूम संचालित करते हैं। 18 अक्टूबर की रात वे धमतरी से अपने घर लौटे ही थे कि पीछे से रायपुर क्राइम ब्रांच की गाड़ी उनके घर पहुंची। टीम ने बिना किसी जानकारी या नोटिस के उनकी कार की तलाशी शुरू कर दी। कारोबारी ने बताया कि तलाशी के दौरान टीम में शामिल पुलिसकर्मियों ने उनकी कार में रखे दो लाख रुपये निकाल लिए। जांच के बाद जब रकम गायब पाई गई तो उन्होंने दुकान और घर के बाहर लगे सीसीटीवी कैमरों के फूटेज की जांच की। फूटेज में कारोबारी ने देखा कि जो लोग ⏭शेष पेज 11 पर

- बड़ा सवाल- रायपुर क्राइम ब्रांच के सिपाही ने किनके कहने पर कारोबारी का दुर्ग तक पीछा किया

संदिग्ध कार की सूचना मिलने पर पहुंची थी पुलिस

सिपाहियों ने पूछताछ में बताया है कि उन्हें धमतरी के रास्ते एक संदिग्ध कार आने की सूचना मिली थी। इसके बाद उन्होंने कुम्हारी के पास नाकेबंदी की। इस दौरान संदिग्ध कार के चकमा देकर भाग जाने की जानकारी सिपाहियों ने अपने अफसरों को दी। सबसे बड़ा सवाल यह है कि संदिग्ध कार नहीं मिलने पर क्राइम के सिपाही अपने अफसरों की बगैर जानकारी के कैसे कार का पीछा करते दुर्ग पहुंच गए। नियम के मुताबिक उन्हें उक्त जानकारी अपने अफसरों के माध्यम से दुर्ग पुलिस को देनी थी।

तूता में दो माह धरना प्रदर्शन पर रोक, रखरखाव का हवाला

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

नवा रायपुर अटल नगर में राज्योत्सव मैदान के सामने स्थित धरना स्थल का रखरखाव कार्य किया जाएगा, इसलिए धरना स्थल पर आगामी आदेश तक धरना प्रदर्शन पर रोक लगाई गई है। एनआरडीए सीईओ के पत्र के मुताबिक संधारण का कार्य आगामी दो माह तक चलेगा, इस दौरान संधारण कार्य पूरा होने तक धरना स्थल को नगर विकास प्राधिकरण को सौंपा गया है। ऐसे में रखरखाव का कार्य पूरा होने तक धरना प्रदर्शन या सभा का आयोजन नहीं किया जा सकेगा। संधारण कार्य पूरा होने तक धरना स्थल को नगर विकास प्राधिकरण को सौंपा गया है। इसीलिए आगामी आदेश तक नवा रायपुर के तूता स्थित धरना स्थल पर धरना प्रदर्शन के लिए अस्थायी रोक लगाई गई है। इस दौरान अधिकारी व कर्मचारी अपने लोकतांत्रिक प्रदर्शन कहां करेंगे, इसके लिए जिला प्रशासन ने स्थान तय नहीं किया है।

होने तक यहां जिला प्रशासन से धरना प्रदर्शन, रैली या आमसभा की अनुमति नहीं मिलेगी। जिला कलेक्टर गौरव सिंह ने इस संबंध में आदेश जारी किया है। आदेश के मुताबिक रखरखाव का कार्य पूरा होने तक धरना स्थल पर किसी प्रकार का प्रदर्शन या सभा का आयोजन नहीं किया जा सकेगा। संधारण कार्य पूरा होने तक धरना स्थल को नगर विकास प्राधिकरण को सौंपा गया है। इसीलिए आगामी आदेश तक नवा रायपुर के तूता स्थित धरना स्थल पर धरना प्रदर्शन के लिए अस्थायी रोक लगाई गई है। इस दौरान अधिकारी व कर्मचारी अपने लोकतांत्रिक प्रदर्शन कहां करेंगे, इसके लिए जिला प्रशासन ने स्थान तय नहीं किया है।

नमी के प्रभाव से रात में कम हुआ ठंड का असर, दिन में गिरेगा पारा

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

बंगाल की खाड़ी से एक बार फिर नमी का प्रदेश में प्रवेश करने की वजह से रात में महसूस हो रही ठंड का प्रभाव कम होने लगा है। नमी के प्रभाव से शनिवार को बूंदाबांदी होने की संभावना भी बन रही है। वर्तमान में दिन का अधिकतम तापमान 33 डिग्री है, जिसमें आने वाले दिनों में कुछ गिरावट होने की संभावना भी बन रही है।

विशेषज्ञों की मानें तो राज्य में ठंड की मौजूदगी के लिए शुष्क हवा का प्रवेश होना जरूरी है। इसके लिए हवा की दिशा में भी बदलाव होना आवश्यक जो अभी नहीं हो रहा है। राज्य में पिछले कुछ दिनों से बंगाल की खाड़ी से नमी का प्रवेश हो रहा है। इसकी वजह से दिन में बादल छाए हुए हैं। इसके प्रभाव से रात में न्यूनतम तापमान भी स्थिर हो गया, जिससे ठंड में कमी का अहसास होने लगा है। हवा के साथ प्रवेश करने वाली नमी के कारण एक दो स्थानों पर हल्की वर्षा हो रही है। इसके लगातार यही स्थिति बने रहने की संभावना है। 25 और 26 अक्टूबर को मध्य और दक्षिण छत्तीसगढ़ में हल्की वर्षा होने अथवा गरज-चमक के साथ छींटे पड़ने की संभावना है। प्रदेश में न्यूनतम तापमान में कोई विशेष परिवर्तन होने की संभावना नहीं है। बुधवार को रायपुर का अधिकतम तापमान 33 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया, वहीं सर्वाधिक 33.2 दुर्ग का दर्ज किया गया है।

शनिवार से बूंदाबांदी का प्रभाव

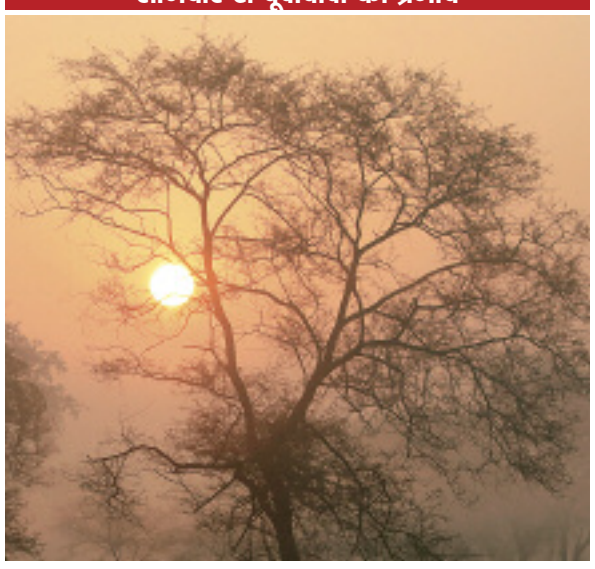

"श्रेष्ठ" के लिए आवेदन 30 तक, 3 हजार छात्र होंगे चयनित

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

अनुसूचित जाति के मेधावी विद्यार्थियों को देश के सर्वश्रेष्ठ निजी आवासीय विद्यालयों में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने के उद्देश्य से भारत सरकार की "श्रेष्ठ योजना" प्रारंभ की गई है। इसके तहत आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। आवेदन की अंतिम तिथि 30 अक्टूबर 2025, शाम 5 बजे निर्धारित की गई है। इस योजना के अंतर्गत प्रतिवर्ष राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी (एनटीए) द्वारा आयोजित राष्ट्रीय प्रवेश परीक्षा के माध्यम से कक्षा 9 और 11 में प्रवेश के लिए 3000 नए विद्यार्थियों का चयन किया जाता है, जो कक्षा 12वीं तक की शिक्षा पूरी करते हैं। स्कूलों का आबंटन योग्यता और विद्यार्थियों की प्राथमिकता के आधार पर आनलाइन काउंसिलिंग के माध्यम से किया जाता है। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय द्वारा वर्ष 2022-23 से यह योजना संचालित की जा रही है। यह योजना राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिष्ठित निजी आवासीय विद्यालयों के माध्यम से अनुसूचित जाति वर्ग के विद्यार्थियों को कक्षा 9वीं एवं 11वीं में प्रवेश का अवसर प्रदान करती है। इसके लिए राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी द्वारा परीक्षा दिसंबर 2025 में संभावित है। ⏭शेष पेज 11 पर

पाठक सूचना
हरिभूमि के सुधि पाठकों को
अखबार की प्रतियां नहीं मिल रही हो या अन्य अखबार दिया जा रहा हो तो हमें निम्न नंबर पर संपर्क करें या वाट्सअप करें
9827555678, 8224868411

राज्योत्सव : अलंकरण समारोह अब 5 को, मोदी नहीं उप राष्ट्रपति राधाकृष्णन करेंगे विभूतियों का सम्मान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

छत्तीसगढ़ स्थापना के रजत जयंती वर्ष में आयोजित राज्योत्सव का समापन 5 नवंबर को होगा। समापन समारोह में उप राष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन शामिल होंगे। उप राष्टपति राज्योत्सव में छत्तीसगढ़ के विभूतियों को अलंकरण समारोह में अलंकृत करेंगे। विभिन्न विभागों के द्वारा 36 विभूतियों को सम्मानित किया जाता है। पूर्व में यह कार्यक्रम प्रधानमंत्री के हाथों होना था। समय और सुरक्षा को देखते हुए यह कार्यक्रम समापन के अवसर पर किया जाएगा। बताया जाता है कि अलंकरण समारोह के दौरान विभिन्न क्षेत्र के विभूतियों को सम्मानित किया जाता है। समारोह के दौरान पूरे प्रदेश के लोगों को जमावड़ा रहता है। सुरक्षा एजेंसियों ने पीएम के दौरे के कार्यक्रम के अनुसार समय और सुरक्षा कारणों से इस कार्यक्रम को अब समापन के दौरान किए जाने का निर्णय लिया गया है। समापन समारोह में उप राष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन की मौजूदगी में लगभग 38 लोगों को सम्मानित किया जाएगा।

■ राज्योत्सव की तैयारियां अंतिम चरण पर

31 को आएंगे पीएम

31 अक्टूबर को आएंगे पीएम- छत्तीसगढ़ के स्थापना के 25 साल पूरा होने को लेकर आयोजित जयंती समारोह कार्यक्रम में शामिल होने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 31 अक्टूबर को रायपुर आएंगे। 1 नवंबर को होने वाले कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शिरकत करेंगे और इस अवसर पर कई योजनाओं का शिलान्यास और लोकार्पण करेंगे। प्रधानमंत्री के कार्यक्रम के अनुसार म्यूजियम का लोकार्पण भी प्रधानमंत्री 1 नवंबर को करेंगे।

अंतिम चरण में तैयारी

छत्तीसगढ़ में स्थापना दिवस को लेकर के तैयारियां जोरों से चल रही है। राज्य स्थापना दिवस के अवसर पर कई कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। नवा रायपुर में तैयारी को अंतिम रूप दिया जा रहा है। राज्योत्सव मेला स्थल पर मुख्य मंच के सामने तीन विशाल डोम बनाए जा रहे हैं। इनमें 60 एलईडी स्क्रीन लगाई जाएंगी। मेला स्थल पर लोगों के प्रवेश के लिए दो द्वार होंगे। एक द्वार विभागीय प्रदर्शनी के लिए होगा। विभागीय प्रदर्शनी में राज्य शासन के विभिन्न विभागों के साथ ही सार्वजनिक उपक्रमों की प्रदर्शनी लगाई जाएगी। मुख्य मंच के नजदीक ही डिजिटल प्रदर्शनी भी लगाई जाएगी। मेला स्थल पर प्रधानमंत्री आवास का मॉडल भी बनाया जाएगा।

नवा रायपुर में होगा सूर्य किरण का एयर शो

बताया गया है कि एयर शो को लेकर सभी तैयारियां को अंतिम रूप दे दिया गया है। 2 नंवबर को सभी विमान रायपुर पहुंचेंगे। देर शाम विमान या तीन तारीख को यहां पहुंच जाएंगे। 4 तारीख को रायपुर में एक रिहर्सल किया जाएगा। 5 तारीख को 10 से 12 बजे तक फाइनल सूर्य किरण के करतब दिखाए जाएंगे। सूर्य किरण टीम निर्धारित अभ्यास और सुरक्षा मानकों के अनुरूप प्रदर्शन करेगी। यह पहली बार होगा जब राज्य स्थापना दिवस पर राजधानी रायपुर में ऐसा भव्य सैन्य प्रदर्शन आयोजित किया जाएगा, जो छत्तीसगढ़ के गौरव को नई ऊंचाई देगा।

खबर संक्षेप

राजभवन में दीपावली मिलन समारोह, सीएम सहित जनप्रतिनिधि रहे उपस्थित

रायपुर। राजभवन में बुधवार को दीपावली पर्व के अवसर राज्यपाल रमेन डेका के मुख्य आतिथ्य में दीपावली मिलन समारोह का आयोजन किया गया। उन्होंने सभी अतिथियों को दीपावली पर्व की हार्दिक शुभकामनाएं दी। साथ ही सभी के सुख, शांति एवं समृद्धि की कामना की। समारोह में मुख्यमंत्री विष्णु देव साय विशेष रूप से उपस्थित थे। मुख्यमंत्री सहित आमंत्रित अतिथियों ने भी राज्यपाल को दीपावली की हार्दिक शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर राज्य की प्रथम महिला रानी डेका काकोटी एवं राज्यपाल के परिजन उपस्थित थे। कार्यक्रम में विभिन्न रंगारंग प्रस्तुति के माध्यम से छत्तीसगढ़ की गौरवशाली संस्कृति को दर्शाया गया। छत्तीसगढ़ के पारंपरिक लोक नृत्य राउत नाच की प्रस्तुति केशव राम यादव एवं दल के द्वारा और सूफी गायक पद्मश्री मदन चौहान के मधुर गायन और विधायक अनुज शर्मा ने भजन की प्रस्तुति से समारोह के उत्साह को दोगुना कर दिया।

प्रतिनियुक्ति पर जाएंगे आईपीएस आशुतोष, सीबीआई में एसपी का पद संभालेंगे

रायपुर। छत्तीसगढ़ कैडर के 2012 बैच के आईपीएस अधिकारी आशुतोष सिंह केंद्रीय प्रतिनियुक्ति पर जाएंगे। उनको केंद्र सरकार ने केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) में पुलिस अधीक्षक के पद पर नियुक्त किया है। 2012 बैच के इस अधिकारी की यह नियुक्ति राज्य पुलिस सेवा से एक प्रतिष्ठित केंद्रीय पद तक पहुंच को अहम कदम माना जा रहा है। भारत सरकार के कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग ने उनके डेपुटेशन को मंजूरी देते हुए राज्य सरकार को निर्देश दिए हैं कि उन्हें तीन सप्ताह के भीतर रिलीव किया जाए।

विक्रांत बने युवा कैट छत्तीसगढ़ के कार्यकारी अध्यक्ष

रायपुर। युवा कैट छत्तीसगढ़ के कार्यकारी अध्यक्ष के रूप में विक्रांत राठौर को नियुक्त किया गया। वे वर्तमान में रायपुर

ऑप्टिकल व्यापारी वेलफेयर एसोसिएशन एवं शंकर नगर व्यापारी संघ के सचिव एवं राष्ट्रीय राठौर युवा संगठन के राष्ट्रीय मंत्री के पद पर नियुक्त है। उनकी नियुक्ति कैट के राष्ट्रीय अध्यक्ष बीसी भरतीया, राष्ट्रीय महामंत्री एवं चांदनी चौक से भारतीय जनता पार्टी के सांसद प्रवीण खंडेलवाल, राष्ट्रीय चेयरमैन बृजमोहन अग्रवाल, राष्ट्रीय वाइस चेयरमैन अमर परवानी की अनुशंसा पर की गई है।

गोवर्धन पूजा प्रकृति, गोवंश और पर्यावरण के प्रति आभार व्यक्त करने का पर्व

मुख्यमंत्री निवास में गोवर्धन पूजा, साय बोले-गोसेवा बनेगी ग्रामीण विकास की धुरी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने मुख्यमंत्री निवास रायपुर स्थित गोशाला में गोवर्धन पूजा के अवसर पर गोमाता की पूजा-अर्चना की और गो माता को खिचड़ी खिलाकर गोसेवा की परंपरा निभाई। उन्होंने इस अवसर पर प्रदेशवासियों की सुख-समृद्धि, शांति और खुशहाली की मंगलकामना की।

उन्होंने कहा, गोवर्धन पूजा प्रकृति, गोवंश और पर्यावरण के प्रति आभार व्यक्त करने का पावन पर्व है। उन्होंने प्रदेशवासियों को गोवर्धन पूजा की हार्दिक शुभकामनाएं दी। पूजा-अर्चना के बाद प्रसाद वितरण के दौरान उन्होंने गोशाला में सेवा कर रहे गोसेवकों को अपने हाथों से मिठाई खिलाकर सम्मानित किया। उन्होंने गोसेवा के लिए उनकी सराहना करते हुए सभी से गोवंश की रक्षा एवं संरक्षण के कार्यों में आगे आने का आग्रह किया। इस दौरान उन्होंने गोशाला की व्यवस्थाओं का जायजा लिया। गोसेवकों ने मुख्यमंत्री को बताया कि गोशाला में गोवंश की देखरेख की सभी व्यवस्था मौजूद है।

गाय भारतीय परंपरा की आधारशिला

उन्होंने कहा, गोवर्धन पूजा हमारे जीवन में प्रकृति, अन्न और पशुधन के प्रति कृतज्ञता का प्रतीक है। गाय भारतीय संस्कृति की आधारशिला है, जो न केवल हमारे ग्रामीण जीवन से जुड़ी है, बल्कि हमारी अर्थव्यवस्था और आस्था दोनों का केंद्र भी है। उन्होंने कहा, छत्तीसगढ़ की मिट्टी में गोसेवा और प्रकृति पूजन की भावना गहराई से रची-बसी है। उन्होंने कहा, गाय, अन्न और धरती का सम्मान करना उस मातृशक्ति को प्रणाम करना है, जिससे हमारा जीवन जुड़ा है। जब हम इन्हें नमन करते हैं, तब हम अपनी संस्कृति की जड़ों, अपनी आत्मा की गहराइयों और समृद्धि के स्रोतों को स्पर्श करते हैं। मुख्यमंत्री ने कहा, हमारी संस्कृति में गाय गोमाता के रूप में पूजनीय है और इसी भावना के साथ राज्य सरकार गोसेवा को ग्रामीण विकास की धुरी बनाने के लिए कार्य कर रही है।

भूपेश ने पारंपरिक वेशभूषा में की गोवर्धन पूजा, भाजपा पर कसा तंज, कहा- धर्म केवल उनका वोट लेने का माध्यम

बुधवार को गोवर्धन पूजा के मौके पर छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने सपरिवार गायों की पूजा की। गोवर्धन पूजा को लेकर लोगों को बधाई और शुभकामनाएं दीं, साथ ही पारंपरिक परिधान में वे नजर आए। उन्होंने बीजेपी पर छत्तीसगढ़ के त्योहारों को अच्छे से नहीं मनाने का आरोप लगाया। गोवर्धन पूजा को लेकर पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा, भगवान कृष्ण युग प्रणेता थे और उन्होंने अंधविश्वास के खिलाफ शंखनाद किया। समाज को प्रकृति पूजा की ओर मोड़ा, इसलिए गोवर्धन की पूजा की जाती है। तब से लेकर आज तक हम सभी गोवर्धन पूजा करते आए हैं। आज हम लोग न केवल गोवर्धन की पूजा कर रहे हैं बल्कि गोवंश और भैंस वंश की भी पूजा करते हैं। उन्हें खिचड़ी खिलाई जाती है। हमारे छत्तीसगढ़ में गोबर का टीका लगाकर सब लोग एक दूसरे का अभिनंदन और अभिवादन करते हैं।

सोहाई बांधने और खिचड़ी खिलाने की परंपरा भी निभाई

उन्होंने एकता को समझाते हुए कहा कि, भगवान कृष्ण ने कहा है कि सारे लोग मिलकर एक समूह बनाते हैं तो गोवर्धन पर्वत को भी उठाया जा सकता है। गोवर्धन पूजा के मौके पर भूपेश बघेल ने परिवार सहित गाय की पूजा करने के साथ ही सोहाई बांधने और खिचड़ी खिलाने की परंपरा भी निभाई। छत्तीसगढ़ी कलाकारों ने पारंपरिक वेशभूषा में राउत नाचा की प्रस्तुति भी दी।

बीजेपी पर साधा निशाना

मीडिया से बात करते हुए भूपेश बघेल ने कहा, बीजेपी तो विश्व आदिवासी दिवस भी नहीं मनाती। उनके कई नेता छत्तीसगढ़ के त्यौहार को नहीं मनाते, इसलिए आज उनकी सरकार है तो सूना-सूना दिख रहा है। इससे उनको कोई मतलब नहीं है, धर्म केवल उनका वोट लेने का माध्यम है। उन्होंने केंद्र और राज्य सरकार की जन विरोधी नीतियों पर भी प्रहार किया। केंद्र सरकार ने आठ साल तक जीएसटी लगा कर जनता को लूटा और अब छूट दे कर अहसान जता रहे।

निर्देश जारी

मंत्रालय में 1 दिसंबर से अफसर कर्मियों की बायोमैट्रिक हाजरी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

छत्तीसगढ़ सरकार के मंत्रालय महानदी भवन में काम करने वाले सभी अधिकारियों-कर्मचारियों को अब अपनी ड्यूटी पर समय से आना और समय पूरा होने पर ही जाना होगा। दरअसल सरकार ने अब मंत्रालय के कर्मियों के लिए आधार आधारित बायोमेट्रिक उपस्थिति प्रणाली शुरू करने का निर्णय लिया है। खास बात ये है कि कर्मियों का एक संगठन इसके विरोध में आवाज उठा रहा है, लेकिन एक बड़ा संगठन अघोषित समर्थन देने को तैयार है।

सामान्य प्रशासन ने जारी किया आदेश

राज्य सरकार के सामान्य प्रशासन विभाग ने इस संबंध में आदेश जारी किया है। इसके साथ ही आधार-सक्षम बायोमेट्रिक उपस्थिति प्रणाली में अफसर कर्मियों के स्व पंजीयन को लेकर निर्देश भी जारी किए हैं।इस तरह करना होगा पंजीयन सामान्य प्रशासन विभाग ने इस मामले को लेकर राज्य के सभी भारसाधक

सचिवों को जारी पत्र में अफसर कर्मियों को स्व पंजीयन के लिए निर्देश भेजा है। कहा गया है कि सामान्य प्रशासन विभाग, मंत्रालय, महानदी भवन में कार्यरत समस्त अधिकारियों एवं कर्मचारियों की उपस्थिति दर्ज करने हेतु आधार सक्षम बायोमेट्रिक उपस्थिति प्रणाली (एईबीएएस) प्रारंभ की जा रही है। इस काम के लिए एक विभागीय पोर्टल भी बनाया गया है। सभी अधिकारी एवं कर्मचारी अपने विवरण के साथ उक्त पोर्टल पर यूजर एम्पलाई रजिस्ट्रेशन अनुभाग में जाकर स्व-पंजीकरण करें। आधार सक्षम बायोमेट्रिक उपस्थिति प्रणाली के एईबीएएस के लिए आधार फेस आरडी एव आधार बीएल एप इस्टांल कर रजिस्ट्रेशन करना होगा। इसके बाद उपस्थिति दर्ज किये जाने हेतु विकल्प के रूप में उपयोग किये जा सकते हैं।

7 नवंबर तक रजिस्ट्रेशन, 1 दिसंबर से शुरू

सामान्य प्रशासन विभाग ने संबंधित अफसर कर्मियों से कहा है कि अपने विभाग के उप सचिव एवं उच्च अधिकारियों द्वारा उपरोक्त प्रक्रिया को 07 नवंबर 2025 तक पूर्ण करने के लिए निर्देशित करें, ताकि बायोमेट्रिक उपस्थिति प्रणाली का संचालन 01 दिसंबर 2025 से प्रारंभ किया जा सके। इसके लिए प्रक्रिया के तहत जानकारी भी देनी होगी। जिसमें नाम, जन्म दिनांक, लिंग, आधार संख्या अथवा, मोबाईल नंबर, ईमेल आईडी, संगठन का नाम/अनुभाग/इकाई, पदनाम, कार्यालय स्थान, कर्मचारी कोड (यदि उपलब्ध हो) पासपोर्ट आकार का फोटो (जेपीजी) अधिकतम 150 केबी), स्व-पंजीकरण के समय डिवीजन युनिट, व संगठन का ब्योरा देना होगा। आईएएस संवर्ग के अधिकारियों के लिए भी प्रक्रिया निर्धारित की गई है।

कांग्रेस का संगठन सृजन अभियान प्रदेश के नेताओं से वन-टू-वन आज

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

छत्तीसगढ़ में कांग्रेस संगठन सृजन को लेकर दिल्ली में गुरुवार को कांग्रेस के महासचिव केसी वेणुगोपाल की अध्यक्षता में एआईसीसी के ऑब्जर्वर के साथ जिलाध्यक्षों के चयन को लेकर वन टू वन चर्चा की जाएगी। छत्तीसगढ़ कांग्रेस के बड़े नेताओं से भी वन टू वन चर्चा कर नामों पर सुझाव लिए जाएंगे। बैठक में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज, पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल, नेता प्रतिपक्ष डॉ. चरणदास महंत और टीएस सिंहदेव शामिल होंगे।

पार्टी सूत्रों के अनुसार एआईसीसी में सुबह 11 बजे बैठक शुरू होगी। पर्यवेक्षकों की रिपोर्ट पर एआईसीसी महासचिव और दो अन्य नेता चर्चा करेंगे। उल्लेखनीय है कि कांग्रेस जिलाध्यक्षों को चुनने के लिए एआईसीसी ने पर्यवेक्षक नियुक्त किए थे, जिन्हें जिलों में अध्यक्ष पद के दावेदारों और वरिष्ठ नेताओं से चर्चा कर समन्वय करने की जिम्मेदारी मिली थी। जिलाध्यक्ष के लिए पहली बार हर जिले से 6 नामों का पैनल भेजा गया है। पर्यवेक्षकों की सूची के आधार पर ही जिलाध्यक्षों के नाम फाइनल होंगे। गुरुवार की बैठक में शामिल होने पीसीसी अध्यक्ष दीपक बैज और नेता प्रतिपक्ष चरणदास महंत दिल्ली पहुंच चुके हैं। भूपेश बघेल और टीएस सिंहदेव कल सुबह दिल्ली पहुंचेंगे। बैठक में ताम्रध्वज साहू को भी शामिल होना था, लेकिन पारिवारिक कारणों से वे नहीं जा रहे हैं। उन्होंने इसकी सूचना हाईकमान को दे दी है।

युवाओं को मिलेगी जिम्मेदारी

बताया जाता है कि जिलाध्यक्ष के लिए कांग्रेय ने 55 साल की आयु सीमा तय की है। ऐसे में कई नेताओं ने दावेदारी की थी, वे बाहर हो जाएंगे। रायपुर शहर में 28 और ग्रामीण में 17 नेताओं ने दावेदारी की थी। इनमें से 6 नामों को पर्यवेक्षक ने उनके संबंध में फीडबैक के आधार तय किए हैं। प्रदेश के सभी जिलों में भी ऐसी स्थिति है। माना जा रहा है कि युवाओं को जिम्मेदारी दी जा सकती है। गुजरात फार्मूला के आधार पर सभी वर्ग के लोगों को मौका दिया जाएगा। महिलाओं को भी तीन-चार पद दिए जा सकते हैं।

पीएम के दौरे और राज्योत्सव में आईएएस राप्रसे के अफसरों समेत 40 की लगी ड्यूटी

प्रोटोकॉल व्यवस्था के तहत अफसरों का ड्यूटी चार्ट जारी होगा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

छत्तीसगढ़ स्थापना दिवस के रजत जयंती वर्ष पर 1 से 5 नवंबर तक राज्योत्सव का आयोजन किया जा रहा है। हर दिन अलग-अलग सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन होगा।

राज्योत्सव का शुभारंभ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी करेंगे, इसके लिए वे 31 अक्टूबर को ही राजधानी पहुंच जाएंगे। प्रधानमंत्री के दौरे के मद्देनजर आईएएस अफसर समेत 40 अफसरों की ड्यूटी कानून व्यवस्था और सहयोग करने के लिए लगाई गई है। सुरक्षा के लिए अलग से प्रोटोकॉल व्यवस्था के तहत अफसरों का ड्यूटी चार्ट जारी होगा। राज्योत्सव को रजत जयंती वर्ष के तौर पर मनाने का निर्णय सरकार ने लिया है।

इसके लिए इस बार राज्योत्सव को तीन दिनों से बढ़ाकर पांच दिनों का कर दिया गया है। पांच दिन नवा रायपुर में विविध कार्यक्रम होंगे। जिसमें छत्तीसगढ़ की संस्कृति, कला, खानपान, परंपरा और लोकनृत्य का प्रदर्शन किया जाएगा। राज्योत्सव की शुरुआत देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी करेंगे। इसके अलावा समापन के मुख्य अतिथि देश के उपराष्ट्रपति होंगे।

इन अफसरों की लगी ड्यूटी

प्रधानमंत्री के दौरे के मद्देनजर समारोह में कानून व्यवस्था एवं अन्य कार्यों हेतु आईएएस अफसर समेत राज्य प्रशासनिक सेवा के अफसरों और तहसीलदार तथा नायब तहसीलदारों तक चालीस अधिकारियों की ड्यूटी लगाई गई है। जिनकी ड्यूटी लगाई गई है उनमें आशुतोष पांडे, आईएएस आयुक्त कोरबा नगर पालिका निगम, देवेंद्र पटेल अपर कलेक्टर कोरबा, संदीप अग्रवाल जिला पंचायत सीईओ बिलासपुर, अभिषेक अग्रवाल अपर कलेक्टर दुर्ग, बृजेश सिंह क्षत्रिय आयुक्त नगर पालिका निगम रायगढ़, सुनील चंद्रवंशी मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत बालोद, विनायक शर्मा अपर कलेक्टर एमसीबी और अन्य हैं।

नहीं होगी डाक्टरों की कमी, चार नए मेडिकल कालेज के निर्माण के लिए 1390 करोड़ मंजूर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

चिकित्सा सुविधा को बेहतर बनाने के लिए राज्य में डाक्टरों की कमी नहीं होगी। चार नए चिकित्सा महाविद्यालय के निर्माण के लिए 1390 करोड़ के निर्माण को मंजूरी दी कई है। सीजीएमएससी के संचालक मंडल की बैठक में राशि मंजूर होने के बाद निविदा दरों की स्वीकृति के बाद शीघ्र निर्माण शुरू किया जाएगा।

सीजीएमएससीएल की बैठक में मनेंद्रगढ़ मेडिकल कॉलेज के लिए 323.03 करोड़, कबीरधाम मेडिकल कॉलेज के लिए 318.27 करोड़, जांजगीर-चांपा मेडिकल कॉलेज के लिए 318.27 करोड़ और गीदम मेडिकल कॉलेज के लिए 326.53 करोड़ की निविदा दर की स्वीकृति दी गई है। इसके साथ ही मनेंद्रगढ़ में 220 बिस्तर वाले अस्पताल भवन के निर्माण के लिए 28.48 करोड़ तथा बिलासपुर के शासकीय आयुर्वेद महाविद्यालय और अस्पताल भवन के निर्माण करने 79.52 करोड़ की निविदा दर को भी मंजूरी दी गई है। इन छह परियोजनाओं की निविदा दरों को स्वीकृति मिलने के बाद अब इनके निर्माण कार्य शीघ्र प्रारंभ होंगे। निर्माण कार्यों के पूर्ण होने पर प्रदेश की जनता को अत्याधुनिक चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध होंगी, जिससे इलाज के लिए बड़े शहरों पर निर्भरता में उल्लेखनीय कमी आएगी। सीजीएमएससी की 51वीं संचालक मंडल बैठक में अध्यक्ष दीपक म्हस्के, स्वास्थ्य विभाग के सचिव अमित कटारिया, सीजीएमएससी के प्रबंध संचालक रितेश अग्रवाल, वित्त विभाग, जीएसटी विभाग और कॉर्पोरेशन के अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे। बैठक में परियोजनाओं के क्रियान्वयन की समयसीमा, गुणवत्ता मानकों और पारदर्शिता पर विशेष बल दिया गया। निर्णय लिया गया कि निर्माण कार्य समयबद्ध रूप से और उच्च गुणवत्ता मानकों के साथ पूर्ण किए जाएंगे।

गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य हमारी प्राथमिकता

स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार लगातार स्वास्थ्य सेवाओं के सुदृढ़ीकरण के लिए कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि नए मेडिकल कॉलेजों की स्थापना से न केवल चिकित्सा शिक्षा का दायरा बढ़ेगा बल्कि डॉक्टरों और पैरामेडिकल स्टाफ की उपलब्धता भी सुदृढ़ होगी। प्रदेश के हर नागरिक तक गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवा पहुंचाना हमारी प्राथमिकता है।

पीएम आवास योजना शहरी 2.0 छत्तीसगढ़ के नगरीय निकायों में बनेंगे 50 हजार मकान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

छत्तीसगढ़ में आवासहीन लोगों के लिए यह खबर किसी खुशखबरी से कम नहीं है। दरअसल केंद्र सरकार के आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय ने राज्य के नगरीय निकायों के लिए पीएम आवास योजना शहरी 2.0 के लिए 50 हजार नए मकान बनाने की मंजूरी दे दी है। राज्य सरकार के नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग ने इसके बाद संबंधित निकायों को आवासों की स्वीकृति का प्रस्ताव अनुमोदन हेतु प्रेषित किये जाने के निर्देश दिये हैं। प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी 20 अंतर्गत मुख्य सचिव छ.ग. शासन की अध्यक्षता में गठित राज्य स्तरीय संस्कृति एवं निगरानी समिति की चतुर्थ बैठक में मुख्य सचिव ने भारत सरकार से प्राप्त लक्ष्य के अनुसार दिनांक 30 नवम्बर 2025 तक समस्त नगरीय निकायों से पात्र हितग्राहियों के प्रस्ताव प्राप्त कर भारत सरकार को स्वीकृति हेतु प्रेषित किये जाने के निर्देश दिये हैं।नगरीय प्रशासन ने जारी किया आदेशइस संबंध में राज्य सरकार के नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग ने मुख्य सचिव के निर्देश के परिपालन में राज्य शासन द्वारा समस्त नगरीय निकायों को प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी 20 अंतर्गत नवीन आवासों की स्वीकृति हेतु प्रस्ताव राज्य शासन की ओर प्रेषित किये जाने हेतु निकायवार सत्य प्रदान किया जाता है। समस्त नगरीय निकायों से यह अपेक्षा है कि, शासन द्वारा प्रस्तावित लक्ष्य निर्धारित समयावधि में प्राप्त किया जाना सुनिश्चित करेंगे।

साथ ही दी ये चेतावनी भी...

नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग ने नगरीय निकायों के प्रमुखों से कहा है कि प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी 20 शासन की प्राथमिकता का विषय है। प्रस्तावित लक्ष्य को निर्धारित समयावधि में पूर्ण नहीं किये जाने की स्थिति में जिम्मेदारी का निर्धारण कर संबंधित के विरुद्ध अनुशासनात्मक कार्रवाई की जायेगी।

खबर संक्षेप

1008श्री महावीर भगवान का मनाया निर्वाण महोत्सव

रायपुर। कचना अमलतास रेसीडेंसी स्थित मुनि सुव्रत नाथ दिगंबर जैन मंदिर में वीर प्रभु 1008 महावीर भगवान का 2552वां मोक्ष कल्याणक (निर्वाण दिवस) मनाया गया। इस अवसर पर वीर प्रभु महावीर भगवान का जलाभिषेक, शांति धारा के बाद पूजा-अर्चना की गई। इसके बाद गौतम स्वामी की पूजा की गई और निर्वाण लड्डू भी समर्पित किया गया। इस मौके पर मंदिर के अध्यक्ष हिमांशु जैन और सुरेश मोदी ने बताया कि, स्वामी जो कि वीर प्रभु महावीर के गणधर थे, उन्हें भी केवल ज्ञान की प्राप्ति हुई थी, उन्हीं के केवल ज्ञान ज्योति के उपलक्ष्य में हमे भी उस ज्योति की प्राप्ति हो इस के लिए इस दीपोत्सव पर्व को बड़े उल्लास पूर्वक मनाते है। उन्होंने बताया कि शांति धारा के पुण्य अर्जक परिवार प्रणय, अनिल, जैन परिवार एवं कमल कुमार विपिन कुमार संस्कार, जैन परिवार को प्राप्त हुआ। साथ ही निर्वाण लड्डू समर्पित करने का सौभाग्य नरेंद्र, अशोक कुमार, पालीवाल परिवार को प्राप्त हुआ।

विशेष बच्चों ने दिखाया हुनर, बनाई रंगोली

रायपुर। आकांक्षा इंस्टिट्यूट ऑफ लर्निंग एंड एम्पॉवरमेंट में 17 अक्टूबर 2025 को दीपावली का पर्व हर्ष और उल्लास के साथ मनाया गया। यह कार्यक्रम खुशियों और उत्साह से भरा रहा, जहां विशेष बच्चों ने विभिन्न गतिविधियों में भाग लेकर अपनी प्रतिभा और एकता की भावना का बेहतर प्रदर्शन किया। कार्यक्रम की शुरुआत पारंपरिक दीप प्रज्वलन से हुई, जिसके पश्चात बच्चों द्वारा सुंदर दीयों को सजाया गया, रंगबिरंगी रंगोली बनाई और प्रकाश, सकारात्मकता एवं समावेशिता का संदेश फैलाया। संस्थान को बच्चों द्वारा की गई रंगीन सजावट और हस्तशिल्प सामग्री से सजाया गया, जो उनकी रचनात्मकता और मेहनत को दर्शाता है।

निधन

शारदा प्रसाद दुबे

रायपुर। टिकरापारा निवासी शारदा प्रसाद दुबे का 20 अक्टूबर को निधन हो गया। उनका अंतिम संस्कार मारवाड़ी श्मशानघाट में किया गया। वे कुशल प्रसाद दुबे, रामशंकर दुबे के भाई और राजेंद्र एवं शैलेंद्र दुबे के पिता थे।

भूखिया बाई साहू

रायपुर। नंदी चौक टिकरापारा निवासी भूखिया बाई साहू का 21 अक्टूबर को निधन हो गया। उनका अंतिम संस्कार 22 अक्टूबर को सरजूबांधा मुक्तिधाम में किया गया। वे राम साहू, रमा साहू, स्व. मनोज साहू की माता और मेघेश, लक्की की दादी थीं।

दीपावली हर्षोल्लास व परंपरानुसार मनी, जमकर की गई आतिशबाजी

गांवों में गौरा गौरी व मां लक्ष्मी की मूर्ति स्थापित कर किया पूजन

हरिभूमि न्यूज ⏭ तरपोंगी

दीपावली का पर्व क्षेत्र के गांवों में पारंपरिक हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। मिट्टी के दीयों तथा बिजली के बल्बों की रंग बिरंगी रोशनी से अमावस्या की रात्रि अलौकिक रही। लोगों ने आतिशबाजी कर उत्साह प्रकट किया। अंचल के गांवों में भी गौरा गौरी व माँ लक्ष्मी की मूर्ति स्थापित कर पूजन किया गया। गोवर्धन पूजा के दिन गांवों में सामाजिक भाईचारा रहा। आकर्षक वेशभूषा में सजे राउत नाच पार्टी के साथ पारम्परिक गड़वा बाजा इस पर्व का विशेष आकर्षण रहे गोधुली बेला में गोवर्धन पूजा किया गया। ग्रामीणों ने एक दूसरे के माथे पर तिलक लगाकर दीपावली की बधाई दी।

दीपावली की रात सिलतरा उद्योग नगर में वारदात

लूट का विरोध, एक युवक पर किया जानलेवा हमला, दो आरोपी गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ⏭ धरसींवा

दीपावली की शाम सोमवार को चौकी क्षेत्र में लूट का विरोध करने पर दो शातिर बदमाशों ने एक युवक पर चाकू से प्राणघातक हमला कर दिया। सिलतरा व रायपुर पुलिस ने 48 घंटों के भीतर दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। घटना वंदना ग्लोबल कंपनी के सामने हुई।

प्रार्थी प्रमोद कुमार साहू ने रिपोर्ट में बताया कि वह अपने साथी सुरित श्रीवास के साथ पैदल जा रहा था, तभी एक दोपहिया वाहन पर सवार दो युवकों ने उसे घेर लिया। जबरन उसकी जेब से मोबाइल फोन और नकदी छीनने का प्रयास किया। प्रमोद साहू द्वारा तत्काल विरोध करने पर उन लोगों ने उसके साथ मारपीट शुरू कर दी। बीच-बचाव के लिए आए उसके साथी सुरित श्रीवास धारदार चाकू से हमला कर दिया। जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। वारदात को अंजाम देकर दोनों आरोपी

मौके से फरार हो गए, जिससे पूरे इलाके में दहशत का माहौल बन गया।

मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए एसएसपी डॉ. लाल उमेद सिंह ने तत्काल मामले पर संज्ञान लिया। उन्होंने अतिरिक्त पुलिस अधीक्षकों के नेतृत्व में एण्टी क्राइम एण्ड साइबर यूनिट और चौकी सिलतरा पुलिस की एक संयुक्त विशेष टीम गठित कर अपराधियों की शीघ्र गिरफ्तारी के निर्देश दिए। टीम ने तकनीकी साक्ष्यों सीसीटीवी फुटेज तथा मुखबिर तंत्र की मदद से अपराधियों की पहचान सुनिश्चित की। सघन जाँच और घेराबंदी के परिणामस्वरूप, पुलिस टीम ने घटना में शामिल दो आरोपियों ताराचंद बांधे और नरेंद्र दांडेकर उर्फ पीलू को पकड़ने में सफलता पाई। कड़ाई से पूछताछ करने पर दोनों ने अपना जुर्म कबूल कर लिया। पुलिस सूत्रों ने बताया कि गिरफ्तार आरोपी ताराचंद बांधे उम्र 24 साल एक आपराधिक इतिहास है। पूर्व में नारकोटिक एक्ट के एक प्रकरण में जेल की सजा काट चुका है।

लूट का सामान, हथियार और वाहन बरामद

सिलतरा चौकी प्रभारी राजेन्द्र कवर ने बताया कि गिरफ्तार आरोपियों के कब्जे से लूट का मोबाइल फोन, वारदात में प्रयुक्त दोपहिया वाहन क्रमांक सीजी/04/एमटी/7820 तथा चाकू बरामद कर लिया है। दोनों ही आरोपियों के विरुद्ध धरसींवा सिलतरा थाने में भारतीय न्याय संहिता की संबंधित धाराओं (309(4), 109, 3(5) बी.एन.एस.) में मामला दर्ज कर उन्हें न्यायालय के समक्ष पेश किया गया।

हड़ताली कर्मियों को समर्थन देने पहुंची पूर्व सांसद छाया

हरिभूमि न्यूज ⏭ तिल्दा नेवरा

विगत कई दिनों से अल्ट्राटेक सीमेंट बैकुंठ के कर्मचारी अपनी चार सूत्रीय मांगों को लेकर हड़ताल पर हैं। प्रबंधन द्वारा कंपनी को बंद कर दिया गया है। पिछले दिनों बैकुंठ से तिल्दा एसडीएम कार्यालय तक रैली के रुप पैदल मार्च कर ज्ञापन भी दिया गया। मांग पूरी नहीं होने पर दीपावली त्यौहार पर भी कर्मचारी हड़ताल पर बैठे रहे। पूर्व राज्यसभा सांसद श्रीमती छाया वर्मा आज कर्मचारियों के बीच पहुंची और उन्होंने मजदूरों की मांग को जायज ठहराया। साथ ही उन्होंने कर्मचारियों के सामने ही प्रत्यक्ष रूप से प्लांट प्रबंधन के कुछ अधिकारियों से भी बातचीत की और इसका समाधान निकालने की बात की।

पूर्व सांसद श्रीमती वर्मा ने कहा कि कर्मचारियों की सिर्फ चार मांगें हैं, जिसे प्लांट प्रबंधन द्वारा पूरा कर दिया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि दीपावली त्यौहार में इतनी संख्या में कर्मचारी हड़ताल पर बैठे हुए हैं जो कही न कही प्लांट प्रबंधन की मनमानी को दर्शाता है। उन्होंने कर्मचारियों से यह भी कहा कि अगर मांगों को लेकर दिल्ली तक भी जाना पड़े तो वे जाएंगी। उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा कि हम कर्मचारियों के साथ हैं। हड़ताली कर्मचारियों और तीनों श्रमिक संगठनों के पदाधिकारी ने पूर्व राज्यसभा सांसद छाया वर्मा का आभार माना। खुले मंच से कहा गया कि प्रत्यक्ष रूप से आपने अधिकारियों से कर्मचारियों के बीच बात की है, जिसकी हम सराहना करते हैं। इस अवसर पर बहेसर सरपंच सेवक दास बर्मन, जनपद सदस्य प्रतिनिधि सोमकांत निर्मलकर ने भी अपने उद्बोधन में कर्मचारियों का समर्थन किया।

2770 की जगह 1047 प्रकरणों में हो पाई सुनवाई, बाकी की तारीख आगे बढ़ी

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

प्रदेश में हर दिन राजस्व से संबंधित जितने प्रकरणों की पेशी होती है, उसके एवज में बमुश्किल 40 से 50 प्रतिशत प्रकरणों पर ही सुनवाई हो पाती है, वहीं त्योहारी सीजन में यह आकड़ा और कम हो जाता है। विभाग से मिले आकड़ों के अनुसार दीपावली त्योहार के तीसरे दिन बुधवार को प्रदेशभर में राजस्व से संबंधित 2770 प्रकरणों में सुनवाई होनी थी, लेकिन इनमें से 1047 प्रकरणों में ही सुनवाई हो पाई। इस तरह 37 प्रकरणों पर ही सुनवाई हुई, वहीं 63 प्रतिशत प्रकरणों में अगली तारीख दे दी गई हैं। सूत्रों के अनुसार जिन प्रकरणों में सुनवाई नहीं हो पाई। उनमें लगभग 70 प्रतिशत ऐसे प्रकरण हैं, जिस की सुनवाई अफसरों की व्यस्तता या अवकाश में रहने के कारण नहीं हो पाई, वहीं 30 प्रतिशत प्रकरणों में पक्षकारों के नहीं पहुंचने या अन्य किसी कारण से अगली तारीख दी गई है।

एक लाख से ज्यादा प्रकरण लंबित

आंकड़ों के अनुसार प्रदेशभर में राजस्व से संबंधित 1 लाख 10 हजार 94 प्रकरण लंबित हैं। इनमें से 2770 प्रकरणों में ही सुनवाई होनी थी, लेकिन 1723 प्रकरणों पर सुनवाई नहीं हो पाई। इन सभी प्रकरणों की सुनवाई की तारीख 2 दिन से लेकर 15 दिन तक के लिए बढ़ाई गई है।

तारीख पे तारीख बढ़ने से पक्षकार परेशान

सुनवाई की तारीख लगातार बढ़ने के कारण पक्षकारों को भी कई तरह की परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। एक ओर जहां सुनवाई पूरी नहीं होने से प्रकरण का

■ प्रदेश में 1 लाख 10 हजार से अधिक प्रकरण लंबित

फैसला नहीं आ पा रहा है, वहीं दूसरी ओर पक्षकारों को बार-बार राजस्व कार्यालयों का चक्कर काटना पड़ रहा है। ज्यादातर प्रकरणों में पक्षकारों ने वकील किया हुआ है। इन वकीलों को हर सुनवाई में जाने के लिए पक्षकारों को फीस देना पड़ता है। यह फीस देकर पक्षकारों को आर्थिक नुकसान भी हो रहा है।

20 हजार प्रकरण 5 से 10 साल पुराने

सूत्रों के अनुसार लंबित प्रकरणों में 20 हजार से ज्यादा प्रकरण ऐसे हैं, जो पिछले 5 से 10 वर्ष पुराने हैं। इन प्रकरणों में आधे से ज्यादा विवादित है, वहीं कई प्रकरण ऐसे भी हैं, जिनका निराकरण करने में अफसर दिलचस्पी नहीं दिखा रहे हैं।

■ महंगाई के कारण इसके कारोबार में भी डेढ़ से दौ सौ करोड़ की गिरावट आई

प्रदेश में इस बार कारोबार घटा इसलिए पटाखे जले भी कम

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

राजधानी रायपुर सहित प्रदेशभर में इस बार की दीपावली में पटाखों का कारोबार घटा है। पिछली दीपावली में प्रदेश में लगभग 500 करोड़ रुपए का कारोबार हुआ था, लेकिन इस बार पटाखों की कीमत में 10 से 15 फीसदी वृद्धि होने तथा महंगाई के कारण इसके कारोबार में भी डेढ़ से दौ सौ करोड़ की गिरावट आई है। कारोबार घटने के कारण इस बार त्योहार में पटाखे भी कम जले हैं। राजधानी रायपुर की बात करें तो पिछली दिवाली में लगभग 40 करोड़ का कारोबार हुआ था, लेकिन इस बार लगभग 25 से 35 प्रतिशत कम कारोबार होना बताया जा रहा है। यही वजह है कि इस बार शहर में लक्ष्मी पूजा से लेकर गोवर्धन पूजा के दिन तक पटाखें फूटने की आवाज भी कम सुनाई दी।

रायपुर जिले में 20 से 25 करोड़ का कारोबार

पटाखा कारोबारियों के अनुसार रायपुर जिले में ही इस बार लगभग 20 से 25 करोड़ के बीच पटाखा बिक्री से कारोबार हुआ है। इस कारोबार के अनुसार अभी तक त्योहार के दौरान 8 से 10 करोड़ के पटाखे जलाए जा चुके हैं, वहीं भाईदूज के दिन भी लोग जमकर पटाखे जलाएंगे। वैसे कई लोग तुलसी पूजा एकादशी के दिन के लिए भी पटाखे बचाकर रखते हैं, वहीं कई लोग इस दिन पटाखों की खरीदी भी करते हैं। यही वजह है कि पटाखों की अस्थाई दुकानें अभी भी खुली हुई हैं। कई अस्थाई दुकानें तो तुलसी पूजा के दिन तक खुली रहती हैं।

शासन को राजस्व का नुकसान

पटाखों की अवैध दुकानें खुलने के कारण शासन को भी राजस्व का नुकसान हुआ है। स्थाई और अस्थाई पटाखा बिक्री के लिए लाइसेंस जारी किया जाता है। इस लाइसेंस जारी करने के एवज में अस्थाई और स्थाई से अलग-अलग फीस निर्धारित है। अस्थाई पटाखा लाइसेंस के लिए 6 रुपए फीस है। इस तरह अवैध दुकानें खुलने से शासन को राजस्व नहीं मिलने से नुकसान भी हुआ है।

216 में 90 को ही लाइसेंस जारी

प्रशासन के पास 216 लोगों ने अस्थाई लाइसेंस के लिए आवेदन किए थे, जिनमें से लगभग 90 दुकानों को लाइसेंस जारी किए गए, जिसके एवज में शासन को राजस्व भी प्राप्त हुआ। इस तरह लगभग 86 आवेदनों को रिजेक्ट कर दिए गए हैं। इसके अलावा 35 से ज्यादा आवेदनों को लाइसेंस ही जारी नहीं हो पाए।

लाइसेंसी से कई गुना ज्यादा अवैध दुकानें

पटाखा के कारोबार में होने वाले मुनाफा को देखते हुए इस दिवाली में भी लाइसेंसी दुकानों की तुलना में अवैध दुकानें ज्यादा खुली है। ऑनलाइन प्रक्रिया के कारण इस बार जिला प्रशासन ने लगभग 100 दुकानों को ही अस्थाई लाइसेंस जारी किए थे, वहीं स्थाई दुकानों में भी लगभग 20 दुकानों को लाइसेंस जारी हुआ था। इस तरह डेढ़ सौ से भी कम व्यापारियों को पटाखा दुकान खोलने का लाइसेंस जारी किए गए थे, जबकि शहर में जारी लाइसेंस की तुलना में कई गुना अधिक दुकानें खुल गई हैं। अनुमानित आकलन के अनुसार शहर में एक हजार से अधिक दुकानें खुल गई हैं। इसके अलावा बिरगांव, धरसींवा, अभनपुर, आरंग, तिल्दा विकासखंड क्षेत्रों में कई जगह पटाखों की अवैध दुकानें खुल गई हैं।

पेज 09 के शेष ...

इस दिवाली शुद्ध रही शहर...

इसके एक दिन बाद और दो दिन पहले पटाखे फूटने का दौर मध्यम रहा है। फटाखे तो फूटे, मगर इससे निकला धुआं वातावरण को प्रदूषित नहीं कर सका। जानकार सूत्रों के मुताबिक मौसमी हलचल की वजह से शहर में बादल छाए रहने के साथ हवा अपनी सामान्य से अधिक गति से चल रही थी। इसने पटाखे जलाने के बाद उठने वाले धुएं को वातावरण में ज्यादा देर ठहरने नहीं दिया। इससे शहर का वातावरण प्रदूषित होने से बच गया। संतोषजनक बात यह रही कि दीपावली के चार दिनों में शहर के प्रमुख स्थानों पर लगे एयर क्वालिटी इंडेक्स के अंक सौ तक नहीं पहुंच पाए। केवल सिलतरा में 19 अक्टूबर यानी नरक चतुर्दशी की रात 94 तक पहुंचा। शेष अन्य क्षेत्रों यानी माठागांव अंतराज्यीय बस स्टैण्ड, कृषक नगर जोरा और एम्स में एक्यूआई का डेटा 80 अंक तक नहीं पहुंच पाया।

डेटा जांचने पालकों व छात्रों को...

वेरिफिकेशन स्लिप दी जाती है, ताकि वे नाम, माता-पिता के नाम, जन्मतिथि और विषयों जैसी प्रमुख जानकारियों की जांच कर सकें। यह सुधार विंडो छात्रों, अभिभावकों और स्कूलों को इन जानकारियों में आवश्यक बदलाव करने का अंतिम अवसर प्रदान करती है।

कार की जांच के दौरान दो लाख...

उनकी कार की तलाशी ले रहे थे, उनमें से कुछ लोग कार से कुछ निकाल रहे हैं। इसके बाद कारोबारी ने फूटेज पेन ड्राइव लेकर दुर्ग एसएसपी को शिकायत की।

"श्रेष्ठ" के लिए आवेदन ...

इन मापदंडों के आधार पर स्कूलों का चयन : श्रेष्ठ योजना के अंतर्गत प्रत्येक वर्ष सर्वोत्तम निजी आवासीय विद्यालयों का चयन किया जाता है। ऐसे विद्यालय हैं जो न्यूनतम पांच वर्षों से सतत रूप से संचालित हों, पिछले तीन वर्षों में कक्षा 10वीं एवं 12वीं की परीक्षाओं में कम से कम 75 प्रतिशत या उससे अधिक उत्तीर्णता दर प्राप्त कर चुके हों, तथा जिनके पास कक्षा 9वीं और 11वीं में अतिरिक्त रूप से कम से कम 10 अनुसूचित जाति विद्यार्थियों को समायोजित करने के लिए आवश्यक एवं उपयुक्त बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध हो, का चयन किया जाता है। इस योजना के अंतर्गत चुने गए विद्यार्थियों को शिक्षण एवं छात्रावास शुल्क का पूरा व्यय भारत सरकार द्वारा वहन किया जाता है। विद्यार्थियों को किसी प्रकार का शुल्क या अतिरिक्त शुल्क नहीं देना होता। साथ ही, शैक्षणिक समायोजन में सहायता के लिए 'ब्रिज कोर्स' के लिए वार्षिक शुल्क का 10% तक का प्रावधान है। इसके लिए ऑनलाइन आवेदन एनटीए की वेबसाइट पर किए जा सकते हैं।

■ उच्च शिक्षा विभाग को कक्षाएं प्रारंभ करने की अनुमति

जशपुर और बस्तर जिले में 4 नवीन कॉलेज के लिए 132 पद की मंजूरी

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की पहल पर छत्तीसगढ़ शासन के उच्च शिक्षा विभाग मंत्रालय ने वित्तीय वर्ष 2025-26 के बजट में प्रावधानित 4 नवीन शासकीय महाविद्यालयों की स्थापना को स्वीकृति प्रदान कर दी है। उच्च शिक्षा विभाग द्वारा जारी आदेश के अनुसार इन महाविद्यालयों की स्थापना फरसाबहार (जिला-जशपुर), करडेगा (जिला-जशपुर), नगरनार (जिला-बस्तर) तथा किलेपाल (जिला-बस्तर) में की जाएगी।

मुख्यमंत्री की इस पहल से जशपुर एवं बस्तर जैसे जनजाति बहुल एवं भौगोलिक रूप से दूरस्थ क्षेत्रों के विद्यार्थियों को अब उनके इलाके में ही उच्च शिक्षा के अवसर उपलब्ध होंगे। उन्होंने कहा है कि प्रदेश के युवाओं को गुणवत्तापूर्ण उच्च शिक्षा उपलब्ध कराना उनकी सरकार की प्राथमिकता है। दूरस्थ अंचलों की बेटियों और बेटों को अब कॉलेज की पढ़ाई के लिए अब अपने घरों से दूर अन्यत्र नही जाना पड़ेगा। उच्च शिक्षा की पहुंच हर इलाके में हो, इसके लिए राज्य सरकार शिक्षा के ढांचे को सुदृढ़ बना रही है। मुख्यमंत्री ने आगे कहा कि शिक्षा ही प्रदेश के सर्वांगीण विकास की आधारशिला है और सरकार युवाओं को अवसर, संसाधन तथा बेहतर शैक्षणिक वातावरण उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है।

हर कॉलेज में 33 पद

गौरतलब है कि इन चारों महाविद्यालयों के लिए कुल 132 पदों (प्रति महाविद्यालय 33 पद) के सृजन की स्वीकृति के साथ ही कक्षाएं प्रारंभ करने की अनुमति भी राज्य शासन ने दे दी है। स्वीकृत पदों में प्राचार्य, सहायक प्राध्यापक, ग्रंथपाल, क्रीड़ाधिकारी, सहायक ग्रेड-1 एवं प्रयोगशाला कर्मी आदि शामिल हैं।

मुख्यमंत्री श्री साय की इस पहल से आदिवासी एवं दूरस्थ क्षेत्रों में उच्च शिक्षा को बढ़ावा मिलेगा। स्थानीय युवाओं की शिक्षा, रोजगार एवं कौशल वृद्धि के अवसर बढ़ेंगे। प्रदेश में समान और संतुलित शैक्षणिक

बिजनेस साइट

पटाखों से होने वाली स्वास्थ्य समस्याओं को लेकर ओम होम्योपैथी क्लीनिक ने किया जागरूक

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

कमल विहार सेक्टर-9 स्थित ओम होम्योपैथी क्लीनिक की संचालक डॉ. प्रीति गुप्ता ने पटाखों से होने वाली स्वास्थ्य समस्याओं को लेकर लोगों को जागरूक किया है।

उन्होंने बताया कि दिवाली पर वायु प्रदूषण बढ़ने से गले में खराश, खांसी, अस्थमा, ब्रोंकाइटिस और सीओपीडी जैसी सांस संबंधी बीमारियां आम हो जाती हैं। इसके साथ ही पटाखों से निकलने वाले जहरीले धुएं से आंखों में जलन, लालिमा और त्वचा में एलर्जी की समस्याएं भी देखने को मिलती हैं। डॉ. गुप्ता ने अपील की कि पटाखों से बचना ही सबसे सुरक्षित उपाय है। यदि यह संभव न हो तो मास्क पहनना, अस्थमा के मरीजों का दवाएं समय पर लेना और बच्चों को पटाखों से दूर रखना जरूरी है।

उन्होंने यह भी बताया कि होम्योपैथी में इन समस्याओं का प्रभावी इलाज संभव है, इलाज के लिए योग्य होम्योपैथिक चिकित्सक से सलाह जरूर लें।

खबर संक्षेप

1008श्री महावीर भगवान का मनाया निर्वाण महोत्सव

रायपुर। कचना अमलतास रेसीडेंसी स्थित मुनि सुव्रत नाथ दिगंबर जैन मंदिर में वीर प्रभु 1008 महावीर भगवान का 2552वां मोक्ष कल्याणक (निर्वाण दिवस) मनाया गया। इस अवसर पर वीर प्रभु महावीर भगवान का जलाभिषेक, शांति धारा के बाद पूजा-अर्चना की गई। इसके बाद गौतम स्वामी की पूजा की गई और निर्वाण लड्डू भी समर्पित किया गया। इस मौके पर मंदिर के अध्यक्ष हिमांशु जैन और सुरेश मोदी ने बताया कि, स्वामी जो कि वीर प्रभु महावीर के गणधर थे, उन्हें भी केवल ज्ञान की प्राप्ति हुई थी, उन्हीं के केवल ज्ञान ज्योति के उपलक्ष्य में हमे भी उस ज्योति की प्राप्ति हो इस के लिए इस दीपोत्सव पर्व को बड़े उल्लास पूर्वक मनाते है। उन्होंने बताया कि शांति धारा के पुण्य अर्जक परिवार प्रणय, अनिल, जैन परिवार एवं कमल कुमार विपिन कुमार संस्कार, जैन परिवार को प्राप्त हुआ। साथ ही निर्वाण लड्डू समर्पित करने का सौभाग्य नरेंद्र, अशोक कुमार, पालीवाल परिवार को प्राप्त हुआ।

विशेष बच्चों ने दिखाया हुनर, बनाई रंगोली

रायपुर। आकांक्षा इंस्टिट्यूट ऑफ लर्निंग एंड एम्पॉवरमेंट में 17 अक्टूबर 2025 को दीपावली का पर्व हर्ष और उल्लास के साथ मनाया गया। यह कार्यक्रम खुशियों और उत्साह से भरा रहा, जहां विशेष बच्चों ने विभिन्न गतिविधियों में भाग लेकर अपनी प्रतिभा और एकता की भावना का बेहतर प्रदर्शन किया। कार्यक्रम की शुरुआत पारंपरिक दीप प्रज्ज्वलन से हुई, जिसके पश्चात बच्चों द्वारा सुंदर दीयों को सजाया गया, रंगबिरंगी रंगोली बनाई और प्रकाश, सकारात्मकता एवं समावेशिता का संदेश फैलाया। संस्थान को बच्चों द्वारा की गई रंगीन सजावट और हस्तशिल्प सामग्री से सजाया गया, जो उनकी रचनात्मकता और मेहनत को दर्शाता है।

निधन

शारदा प्रसाद दुबे

रायपुर। टिकरापारा निवासी शारदा प्रसाद दुबे का 20 अक्टूबर को निधन हो गया।

उनका अंतिम संस्कार मारवाड़ी श्मशानघाट में किया गया। वे कुशल प्रसाद दुबे, रामशंकर दुबे के भाई और राजेंद्र एवं शैलेंद्र दुबे के पिता थे।

भूखिया बाई साहू

रायपुर। नंदी चौक टिकरापारा निवासी भूखिया बाई साहू का 21 अक्टूबर को निधन हो गया।

उनका अंतिम संस्कार 22 अक्टूबर को सरजूबांधा मुक्तिधाम में किया गया। वे राम साहू, रमा साहू, स्व. मनोज साहू की माता और मेघेश, लक्की की दादी थीं।

स्टेशन में 'क्यू सिस्टम', ट्रेन तक पहुंच रहे वही यात्री जिन्हें करना है सफर

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

त्योहार में अपने घर जाने वाले यात्रियों के सुविधाजनक सफर के लिए रेलवे स्टेशन में अतिरिक्त इंतजाम किया गया है। भीड़ को नियंत्रित करने वहां यात्रियों के लिए कतार व्यवस्था लागू की गई है। इसके अलावा बनाए गए होल्डिंग एरिया से वो ही यात्री ट्रेन तक पहुंच पा रहे है जिन्हें वास्तव में उसमें अपना सफर करना है। भीड़ को ध्यान में रखते हुए प्लेटफार्म में अतिरिक्त स्टाफ की डयूटी लगाई गई है।

हरिभूमि सरोकार

रेलवे स्टेशन में यात्रियों के खानपान के साथ अन्य जरूरी सुविधाओं का ध्यान रखा जा रहा है। इसके अलावा यात्रियों के लिए बनाए गए होल्डिंग एरिया में 1000 से अधिक यात्रियों के बैठने लिए सुविधा जुटाई गई है। यहां सीसीटीवी कैमरा, एयर कूलर एवं पर्याप्त रोशनी की व्यवस्था के साथ जनता खाना 15, इकोनामी मिल 20 में, एवं 14 में रेल नीर की व्यवस्था की गई है। यात्रियों की सुविधा के लिए रेलवे स्टाफ को काउंसलर भी बनाया गया है।

बुजुर्ग यात्रियों का ध्यान

बुजुर्ग एवं दिव्यांग यात्रियों के लिए बैटरी ऑपरेटेट कार के माध्यम से स्टेशन परिसर पर एक प्लेटफार्म से दुसरे प्लेटफार्म पर आने जाने हेतु विशेष ध्यान दिया जा रहा है। साथ वाणिज्य कंट्रोल रूम रायपुर स्टेशन पर विशेष क्राउड मैनेजमेंट वाणिज्य कंट्रोल रूम बनाया गया है 24 घंटे सभी ट्रेनों एवं स्टेशनों पर उपलब्ध वाणिज्य स्टाफ से लगातार संपर्क बनाए रखने हेतु व्यवस्था जाएगी।

भीड़ को कंट्रोल करने बनाया गया होल्डिंग एरिया यात्रियों के खाने से लेकर अन्य सुविधाओं पर ध्यान

रायपुर स्टेशन पर किसी भी आपातकालीन स्थिति के लिए 24 घंटे एंबुलेंस की व्यवस्था की गई है। वहीं एक से दूसरे प्लेटफार्म का उपयोग करते समय सावधानी रखने, लिफ्ट ओवर लोडेड ना हो एस्केलेटर का संचालन सही हो इसकी सुनिश्चितता करेंगे एवं सुव्यवस्थित पार्किंग पर निगरानी, आगजनी की घटनाओ से बचाने के लिए सभी स्टाफ की सतर्क रहने के निर्देश दिए गए है।

दुर्ग पटना, गोंदिया-पटना के बीच स्पेशल ट्रेन

दुर्ग - पटना एवं गोंदिया पटना के मध्य रेल यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए एक - एक फेरे के लिए छठ स्पेशल गाड़ी चलाई जा रही है। दोनों ट्रेनों की आवाजाही 25 और 26 अक्टूबर को होगी। वहीं रायपुर रेल मंडल से 3 स्पेशल ट्रेन दुर्ग-पटना, दुर्ग-सुल्तानपुर, दुर्ग- निजामुद्दीन विशेष ट्रेन चलाई जा रही है। इसके अतिरिक्त लगभग 8 स्पेशल ट्रेन रायपुर रेल मंडल से गुजरेगी। टिकट काउंटर टिकट काउंटर पर यात्रियों की भीड़ न हो इसलिए स्टेशन परिसर में मोबाइल यूटीएस टिकटिंग की सुविधा प्रदान की गई है। यात्रियों का निर्बाध प्रवेश हो इस हेतु रायपुर स्टेशन के सभी गेट पर प्रवेश एवं निकास की व्यवस्था की गई है।

कई विभागों के दफ्तरों में एक साथ 8 से 10 कर्मचारी छुट्टी पर रहे

दिवाली की छुट्टी खत्म पर शासकीय दफ्तरों में रहा सन्नाटा, कहीं कम स्टॉफ-कुछ में ताले लटके मिले

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

शासकीय कर्मचारियों को दीपावली पर्व की दो दिन की छुट्टी सोमवार एवं मंगलवार को मिली थी। सभी कर्मचारियों को बुधवार को ड्यूटी पर लौटना था, लेकिन त्योहार के कारण ज्यादातर दफ्तरों में गिने-चुने कर्मचारियों के पहुंचने के कारण सन्नाटा पसरा रहा। कुछ दफ्तर ऐसे भी मिले जिसके दरवाजे पर लगे ताले ही नहीं खुले। हरिभूमि ने त्योहार के तीसरे दिन दोपहर 12 बजे कलेक्टोरेट परिसर में संचालित विभिन्न शासकीय दफ्तरों की लाइव रिपोर्टिंग की, जिसमें दफ्तरों की स्थिति सामने आई है। हालांकि त्योहार के कारण कलेक्टोरेट में आम लोग भी गिने-चुने ही दिखे।

एक ओर कलेक्टर ले रहे थे बैठक दूसरी ओर दफ्तरों में सन्नाटा

कलेक्टर गौरव सिंह ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के रायपुर आगमन की तैयारियों को लेकर रेडक्रास परिसर में बैठक बुलाई थी। इस बैठक में सभी विभागों के अफसर शामिल हुए। इधर एक ओर कलेक्टर जहां अफसरों की महत्वपूर्ण बैठक ले रहे थे, वहीं दूसरी ओर दफ्तरों में सन्नाटा पसरा रहा। कई विभागों के दफ्तरों में एक साथ 8 से 10 कर्मचारी छुट्टी पर रहे। इसके कारण इन दफ्तरों में जो लोग काम लेकर पहुंच रहे थे, उन्हें भी कर्मचारियों के नहीं होने के कारण लौटना पड़ा।

कृषि-खाद्य विभाग में भी पसरा रहा सन्नाटा, कुछ कर्मचारी दिखे

जिला कृषि विभाग के कार्यालय में भी सन्नाटा पसरा रहा। यहां भी 4-5 कर्मचारी ही ड्यूटी पर दिखे, जबकि यहां भी अधिकारी-कर्मचारी सहित करीब दो दर्जन स्टॉफ है। इसी प्रकार खाद्य विभाग में भी दो दर्जन से ज्यादा स्टॉफ है, लेकिन यहां भी खाद्य नियंत्रक भूपेंद्र मिश्रा के अलावा 3 से 4 अधिकारी-कर्मचारी ही उपस्थित मिले। पूछताछ पर पता चला कि इन दोनों विभाग के दफ्तरों में त्योहार के कारण कर्मचारी ड्यूटी ही नहीं पहुंचे हैं।

खनिज विभाग में डेढ़ दर्जन से ज्यादा स्टॉफ, अफसर सहित चार पहुंचे

खनिज विभाग में डेढ़ दर्जन से ज्यादा स्टॉफ है। इसमें उप संचालक प्राची अवस्थी, खनिज अधिकारी हेमंत चेरपा, सहायक खनिज अधिकारी उमेश मार्गव, निरीक्षक जागृत गायकवाड़, निरीक्षक स्तुति निगम, हेलेद्र स्वर्णपाल, सर्वेयर रघुनाथ भारद्वाज सहित अन्य कर्मचारी शामिल है। इनमें से उप संचालक प्राची अवस्थी के अलावा उमेश मार्गव, रघुनाथ भारद्वाज तथा मृत्य जीवनलाल जांगड़े ही ड्यूटी पर पहुंचे थे। सहायक अधिकारी उमेश मार्गव ने बताया कि अन्य सभी कर्मचारी अवकाश पर हैं।

रजिस्ट्री कार्यालय के अभिलेखागार का दरवाजा ही नहीं खुला

रजिस्ट्री कार्यालय में भी ज्यादातर कर्मचारी छुट्टी पर रहे। कैश काउंटर में एक कर्मचारी मिला, वहीं अभिलेखागार का दरवाजा ही नहीं खुला। यहां पदस्थ सभी कर्मचारी छुट्टी पर रहे। उपपंजीयकों में भी पुष्पा मैत्री के एसआर 5 में एक भी कर्मचारी नहीं पहुंचा था, वहीं अन्य उपपंजीयकों के यहां भी गिने-चुने कर्मचारी पहुंचे थे। इसके कारण रजिस्ट्री के लिए जिन लोगों ने अपॉइंटमेंट लिए हुए थे, उनमें भी कई लोगों को बिना रजिस्ट्री कराए लौटना पड़ा। कलेक्टोरेट के प्रतिलिपि शाखा में भी ताला लटका मिला।

जिला पंचायत के विभागों के दफ्तर भी खाली पड़े मिले

जिला पंचायत रायपुर के कई विभागों के दफ्तर भी त्योहार के कारण खाली पड़े मिले। प्रधानमंत्री आवास, मनरेगा, वित्त विभाग, लोक यांत्रिकी, परियोजना विभाग सहित अन्य दफ्तरों में भी गिने-चुने कर्मचारी ही ड्यूटी पर पहुंचे थे।

इन विभागों के दफ्तरों का भी यही रहा हाल

योजना एवं सांख्यिकी, अंत्यावसायी विकास, आदिम जाति, आबकारी, राजस्व, भु-अभिलेख, समाज कल्याण विभाग, वित्त विभाग, डाकसेवा विभाग सहित अन्य विभाग के दफ्तरों में भी गिने-चुने कर्मचारी ही ड्यूटी पर पहुंचे थे।

नर्सिंग कालेजों में एडमिशन 31 अक्टूबर नहीं 30 नवंबर तक आईएनसी ने बढ़ाई तारीख

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

नर्सिंग कालेजों के विभिन्न पाठ्यक्रम में प्रवेश 31 अक्टूबर नहीं 30 नवंबर तक पूरा किया जाएगा। काउंसिलिंग में होने वाली देरी के बीच चिकित्सा शिक्षा विभाग के निवेदन पर इंडियन नर्सिंग काउंसिल ने तारीख बढ़ाई है। वहीं हाईकोर्ट के निर्देश के बाद काउंसिलिंग में शामिल 13 कालेजों की करीब 12 सौ अपग्रेड सीटों पर एडमिशन के लिए पहले दौर की प्रक्रिया में अंतिम तारीख 26 अक्टूबर तक बढ़ा दी थी।

नर्सिंग कालेजों में बीएससी की सीटों में प्रवेश के लिए होने वाली काउंसिलिंग के दौरान अनियमितिता सामने आ रही है। पूर्व में जीएनएम से बीएससी में अपग्रेड सीटों को काउंसिलिंग से दूर रखा गया था। निजी कालेज हाईकोर्ट पहुंचे तो करीब 6 कालेजों को राहत मिली मगर 13 कालेजों की करीब 12 सौ सीटों को भी प्रवेश प्रक्रिया से दूर रखा गया। निजी नर्सिंग कालेज प्रबंधनों ने फिर न्यायालय की शरण ली। छुट्टी के दिन बैठी अदालत ने कालेज प्रबंधन के पक्ष में फैसला जारी कर काउंसिलिंग कमेटी को फटकारा। इसके बाद अपग्रेडेड सभी सीटें को काउंसिलिंग में शामिल किया गया। इसकी वजह प्रवेश की अंतिम तारीख को 22 से बढ़ाकर 26 अक्टूबर तय किया गया है। दूसरी ओर आईएनसी के शेड्यूल के अनुसार शुरुआत में प्रवेश की अंतिम तारीख को 30 सितंबर से बढ़ाकर 31 अक्टूबर किया गया था। चिकित्सा शिक्षा संचालनालय ने इसमें और बढ़ोतरी किए जाने का निवेदन नर्सिंग काउंसिल से किया था जिसके बाद एडमिशन की अंतिम तिथि को 30 नवंबर तक बढ़ा दी गई है।

■ हाईकोर्ट ने 13 निजी कालेजों को दी राहत, अपग्रेड सीट काउंसिलिंग में शामिल

2770 की जगह 1047 प्रकरणों में हो पाई सुनवाई, बाकी की तारीख आगे बढ़ी

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

प्रदेश में हर दिन राजस्व से संबंधित जितने प्रकरणों की पेशी होती है, उसके एवज में बमुश्किल 40 से 50 प्रतिशत प्रकरणों पर ही सुनवाई हो पाती है, वहीं त्योहारी सीजन में यह आकड़ा और कम हो जाता है। विभाग से मिले आकड़ों के अनुसार दीपावली त्योहार के तीसरे दिन बुधवार को प्रदेशभर में राजस्व से संबंधित 2770 प्रकरणों में सुनवाई होनी थी, लेकिन इनमें से 1047 प्रकरणों में ही सुनवाई हो पाई। इस तरह 37 प्रकरणों पर ही सुनवाई हुई, वहीं 63 प्रतिशत प्रकरणों में अगली तारीख दे दी गई हैं। सूत्रों के अनुसार जिन प्रकरणों में सुनवाई नहीं हो पाई। उनमें लगभग 70 प्रतिशत ऐसे प्रकरण हैं, जिस की सुनवाई अफसरों की व्यस्तता या अवकाश में रहने के कारण नहीं हो पाई, वहीं 30 प्रतिशत प्रकरणों में पक्षकारों के नहीं पहुंचने या अन्य किसी कारण से अगली तारीख दी गई है।

एक लाख से ज्यादा प्रकरण लंबित

आंकड़ों के अनुसार प्रदेशभर में राजस्व से संबंधित 1 लाख 10 हजार 94 प्रकरण लंबित हैं। इनमें से 2770 प्रकरणों में ही सुनवाई होनी थी, लेकिन 1723 प्रकरणों पर सुनवाई नहीं हो पाई। इन सभी प्रकरणों की सुनवाई की तारीख 2 दिन से लेकर 15 दिन तक के लिए बढ़ाई गई है।

■ प्रदेश में 1 लाख 10 हजार से अधिक प्रकरण लंबित

तारीख पे तारीख बढ़ने से पक्षकार परेशान

सुनवाई की तारीख लगातार बढ़ने के कारण पक्षकारों को भी कई तरह की परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। एक ओर जहां सुनवाई पूरी नहीं होने से प्रकरण का फैसला नहीं आ पा रहा है, वहीं दूसरी ओर पक्षकारों को बार-बार राजस्व कार्यालयों का चक्कर काटना पड़ रहा है। ज्यादातर प्रकरणों में पक्षकारों ने वकील किया हुआ है। इन वकीलों को हर सुनवाई में जाने के लिए पक्षकारों को फीस देना पड़ता है। यह फीस देकर पक्षकारों को आर्थिक नुकसान भी हो रहा है।

20 हजार प्रकरण 5 से 10 साल पुराने

सूत्रों के अनुसार लंबित प्रकरणों में 20 हजार से ज्यादा प्रकरण ऐसे हैं, जो पिछले 5 से 10 वर्ष पुराने हैं। इन प्रकरणों में आधे से ज्यादा विवादित है, वहीं कई प्रकरण ऐसे भी हैं, जिनका निराकरण करने में अफसर दिलचस्पी नहीं दिखा रहे हैं।

सीएम साय को दीपपर्व की बधाई देने बगिया में लगा रहा तांता

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के जशपुर स्थित गृह निवास बगिया में दीपावली के पावन पर्व पर शुभकामनाएं देने वालों का सिलसिला दिन भर जारी रहा। देर रात्रि तक जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों, विभिन्न सामाजिक संगठनों के सदस्यों तथा बड़ी संख्या में नागरिकों ने मुख्यमंत्री से भेंट कर दीपावली की शुभकामनाएं दी। मुख्यमंत्री श्री साय ने सभी लोगों का आत्मीय स्वागत करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य, उत्तम स्वास्थ्य एवं सुख-समृद्धि की मंगलकामनाएं दीं।

■ महंगाई के कारण इसके कारोबार में भी डेढ़ से दौ सौ करोड़ की गिरावट आई

प्रदेश में इस बार कारोबार घटा इसलिए पटाखे जले भी कम

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

राजधानी रायपुर सहित प्रदेशभर में इस बार की दीपावली में पटाखों का कारोबार घटा है। पिछली दीपावली में प्रदेश में लगभग 500 करोड़ रुपए का कारोबार हुआ था, लेकिन इस बार पटाखों की कीमत में 10 से 15 फीसदी वृद्धि होने तथा महंगाई के कारण इसके कारोबार में भी डेढ़ से दौ सौ करोड़ की गिरावट आई है। कारोबार घटने के कारण इस बार त्योहार में पटाखे भी कम जले हैं। राजधानी रायपुर की बात करें तो पिछली दिवाली में लगभग 40 करोड़ का कारोबार हुआ था, लेकिन इस बार लगभग 25 से 35 प्रतिशत कम कारोबार होना बताया जा रहा है। यही वजह है कि इस बार शहर में लक्ष्मी पूजा से लेकर गोवर्धन पूजा के दिन तक पटाखें फूटने की आवाज भी कम सुनाई दी।

रायपुर जिले में 20 से 25 करोड़ का कारोबार

पटाखा कारोबारियों के अनुसार रायपुर जिले में ही इस बार लगभग 20 से 25 करोड़ के बीच पटाखा बिक्री से कारोबार हुआ है। इस कारोबार के अनुसार अभी तक त्योहार के दौरान 8 से 10 करोड़ के पटाखे जलाए जा चुके हैं, वहीं भाईदूज के दिन भी लोग जमकर पटाखे जलाएंगे। वैसे कई लोग तुलसी पूजा एकादशी के दिन के लिए भी पटाखे बचाकर रखते हैं, वहीं कई लोग इस दिन पटाखों की खरीदी भी करते हैं। यही वजह है कि पटाखों की अस्थाई दुकानें अभी भी खुली हुई हैं। कई अस्थाई दुकानें तो तुलसी पूजा के दिन तक खुली रहती हैं।

शासन को राजस्व का नुकसान

पटाखों की अवैध दुकानें खुलने के कारण शासन को भी राजस्व का नुकसान हुआ है। स्थाई और अस्थाई पटाखा बिक्री के लिए लाइसेंस जारी किया जाता है। इस लाइसेंस जारी करने के एवज में अस्थाई और स्थाई से अलग-अलग फीस निर्धारित है। अस्थाई पटाखा लाइसेंस के लिए 6 रुपए फीस है। इस तरह अवैध दुकानें खुलने से शासन को राजस्व नहीं मिलने से नुकसान भी हुआ है।

216 में 90 को ही लाइसेंस जारी

प्रशासन के पास 216 लोगों ने अस्थाई लाइसेंस के लिए आवेदन किए थे, जिनमें से लगभग 90 दुकानों को लाइसेंस जारी किए गए, जिसके एवज में शासन को राजस्व भी प्राप्त हुआ। इस तरह लगभग 86 आवेदनों को रिजेक्ट कर दिए गए हैं। इसके अलावा 35 से ज्यादा आवेदनों को लाइसेंस ही जारी नहीं हो पाए।

लाइसेंसी से कई गुना ज्यादा अवैध दुकानें

पटाखा के कारोबार में होने वाले मुनाफा को देखते हुए इस दिवाली में भी लाइसेंसी दुकानों की तुलना में अवैध दुकानें ज्यादा खुली है। ऑनलाइन प्रक्रिया के कारण इस बार जिला प्रशासन ने लगभग 100 दुकानों को ही अस्थाई लाइसेंस जारी किए थे, वहीं स्थाई दुकानों में भी लगभग 20 दुकानों को लाइसेंस जारी हुआ था। इस तरह डेढ़ सौ से भी कम व्यापारियों को पटाखा दुकान खोलने का लाइसेंस जारी किए गए थे, जबकि शहर में जारी लाइसेंस की तुलना में कई गुना अधिक दुकानें खुल गई हैं। अनुमानित आकलन के अनुसार शहर में एक हजार से अधिक दुकानें खुल गई हैं। इसके अलावा बिरगांव, धरसींवा, अभनपुर, आरंग, तिल्दा विकासखंड क्षेत्रों में कई जगह पटाखों की अवैध दुकानें खुल गई हैं।

पेज 09 के शेष ...

इस दिवाली शुद्ध रही शहर...

इसके एक दिन बाद और दो दिन पहले पटाखे फूटने का दौर मध्यम रहा है। फटाखे तो फूटे, मगर इससे निकला धुआं वातावरण को प्रदूषित नहीं कर सका। जानकार सूत्रों के मुताबिक मौसमी हलचल की वजह से शहर में बादल छाए रहने के साथ हवा अपनी सामान्य से अधिक गति से चल रही थी। इसने पटाखे जलाने के बाद उठने वाले धुएं को वातावरण में ज्यादा देर ठहरने नहीं दिया। इससे शहर का वातावरण प्रदूषित होने से बच गया। संतोषजनक बात यह रही कि दीपावली के चार दिनों में शहर के प्रमुख स्थानों पर लगे एयर क्वालिटी इंडेक्स के अंक सौ तक नहीं पहुंच पाए। केवल सिलतरा में 19 अक्टूबर यानी नरक चतुर्दशी की रात 94 तक पहुंचा। शेष अन्य क्षेत्रों यानी भाठागांव अंर्तराज्यीय बस स्टैण्ड, कृषक नगर जोरा और एम्स में एक्यूआई का डेटा 80 अंक तक नहीं पहुंच पाया।

डेटा जांचने पालकों व छात्रों को...

वेरिफिकेशन स्लिप दी जाती है, ताकि वे नाम, माता-पिता के नाम, जन्मतिथि और विषयों जैसी प्रमुख जानकारियों की जांच कर सकें। यह सुधार विंडो छात्रों, अभिभावकों और स्कूलों को इन जानकारियों में आवश्यक बदलाव करने का अंतिम अवसर प्रदान करती है।

कार की जांच के दौरान दो लाख...

उनकी कार की तलाशी ले रहे थे, उनमें से कुछ लोग कार से कुछ निकाल रहे हैं। इसके बाद कारोबारी ने फूटेज पेन ड्राइव लेकर दुर्ग एसएसपी को शिकायत की।

"श्रेष्ठ" के लिए आवेदन ...

इन मापदंडों के आधार पर स्कूलों का चयन : श्रेष्ठ योजना के अंतर्गत प्रत्येक वर्ष सर्वोत्तम निजी आवासीय विद्यालयों का चयन किया जाता है। ऐसे विद्यालय हैं जो न्यूनतम पांच वर्षों से सतत रूप से संचालित हों, पिछले तीन वर्षों में कक्षा 10वीं एवं 12वीं की परीक्षाओं में कम से कम 75 प्रतिशत या उससे अधिक उत्तीर्णता दर प्राप्त कर चुके हों, तथा जिनके पास कक्षा 9वीं और 11वीं में अतिरिक्त रूप से कम से कम 10 अनुसूचित जाति विद्यार्थियों को समायोजित करने के लिए आवश्यक एवं उपयुक्त बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध हो, का चयन किया जाता है। इस योजना के अंतर्गत चुने गए विद्यार्थियों को शिक्षण एवं छात्रावास शुल्क का पूरा व्यय भारत सरकार द्वारा वहन किया जाता है। विद्यार्थियों को किसी प्रकार का शुल्क या अतिरिक्त शुल्क नहीं देना होता। साथ ही, शैक्षणिक समायोजन में सहायता के लिए 'ब्रिज कोर्स' के लिए वार्षिक शुल्क का 10% तक का प्रावधान है। इसके लिए ऑनलाइन आवेदन एनटीए की वेबसाइट पर किए जा सकते हैं।

■ उच्च शिक्षा विभाग को कक्षाएं प्रारंभ करने की अनुमति

जशपुर और बस्तर जिले में 4 नवीन कॉलेज के लिए 132 पद की मंजूरी

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की पहल पर छत्तीसगढ़ शासन के उच्च शिक्षा विभाग मंत्रालय ने वित्तीय वर्ष 2025-26 के बजट में प्रावधानित 4 नवीन शासकीय महाविद्यालयों की स्थापना को स्वीकृति प्रदान कर दी है। उच्च शिक्षा विभाग द्वारा जारी आदेश के अनुसार इन महाविद्यालयों की स्थापना फरसाबहार (जिला-जशपुर), करडेगा (जिला-जशपुर), नगरनार (जिला-बस्तर) तथा किलेपाल (जिला-बस्तर) में की जाएगी।

मुख्यमंत्री की इस पहल से जशपुर एवं बस्तर जैसे जनजाति बहुल एवं भौगोलिक रूप से दूरस्थ क्षेत्रों के विद्यार्थियों को अब उनके इलाके में ही उच्च शिक्षा के अवसर उपलब्ध होंगे। उन्होंने कहा है कि प्रदेश के युवाओं को गुणवत्तापूर्ण उच्च शिक्षा उपलब्ध कराना उनकी सरकार की प्राथमिकता है। दूरस्थ अंचलों की बेटियों और बेटों को अब कॉलेज की पढ़ाई के लिए अब अपने घरों से दूर अन्यत्र नही जाना पड़ेगा। उच्च शिक्षा की पहुंच हर इलाके में हो, इसके लिए राज्य सरकार शिक्षा के ढांचे को सुदृढ़ बना रही है। मुख्यमंत्री ने आगे कहा कि शिक्षा ही प्रदेश के सर्वांगीण विकास की आधारशिला है और सरकार युवाओं को अवसर, संसाधन तथा बेहतर शैक्षणिक वातावरण उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है।

हर कॉलेज में 33 पद

गौरतलब है कि इन चारों महाविद्यालयों के लिए कुल 132 पदों (प्रति महाविद्यालय 33 पद) के सृजन की स्वीकृति के साथ ही कक्षाएं प्रारंभ करने की अनुमति भी राज्य शासन ने दे दी है। स्वीकृत पदों में प्राचार्य, सहायक प्राध्यापक, ग्रंथपाल, क्रीड़ाधिकारी, सहायक ग्रेड-1 एवं प्रयोगशाला कर्मी आदि शामिल हैं।

मुख्यमंत्री श्री साय की इस पहल से आदिवासी एवं दूरस्थ क्षेत्रों में उच्च शिक्षा को बढ़ावा मिलेगा। स्थानीय युवाओं की शिक्षा, रोजगार एवं कौशल वृद्धि के अवसर बढ़ेंगे। प्रदेश में समान और संतुलित शैक्षणिक विकास को गति मिलेगी।

बिजनेस साइट

पटाखों से होने वाली स्वास्थ्य समस्याओं को लेकर ओम होम्योपैथी क्लीनिक ने किया जागरूक

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

कमल विहार सेक्टर-9 स्थित ओम होम्योपैथी क्लीनिक की संचालक डॉ. प्रीति गुप्ता ने पटाखों से होने वाली स्वास्थ्य समस्याओं को लेकर लोगों को जागरूक किया है।

उन्होंने बताया कि दिवाली पर वायु प्रदूषण बढ़ने से गले में खराश, खांसी, अस्थमा, ब्रोंकाइटिस और सीओपीडी जैसी सांस संबंधी बीमारियां आम हो जाती हैं। इसके साथ ही पटाखों से निकलने वाले जहरीले धुएं से आंखों में जलन, लालिमा और त्वचा में एलर्जी की समस्याएं भी देखने को मिलती हैं। डॉ. गुप्ता ने अपील की कि पटाखों से बचना ही सबसे सुरक्षित उपाय है। यदि यह संभव न हो तो मास्क पहनना, अस्थमा के मरीजों का दवाएं समय पर लेना और बच्चों को पटाखों से दूर रखना जरूरी है।

उन्होंने यह भी बताया कि होम्योपैथी में इन समस्याओं का प्रभावी इलाज संभव है, इलाज के लिए योग्य होम्योपैथिक चिकित्सक से सलाह जरूर लें।

हरिभूमि

रायपुर, गुरुवार 23 अक्टूबर 2025

लाइव

Email id- zindgi.live.hb@gmail.com

0771- 4242222, Message at - 9630172937

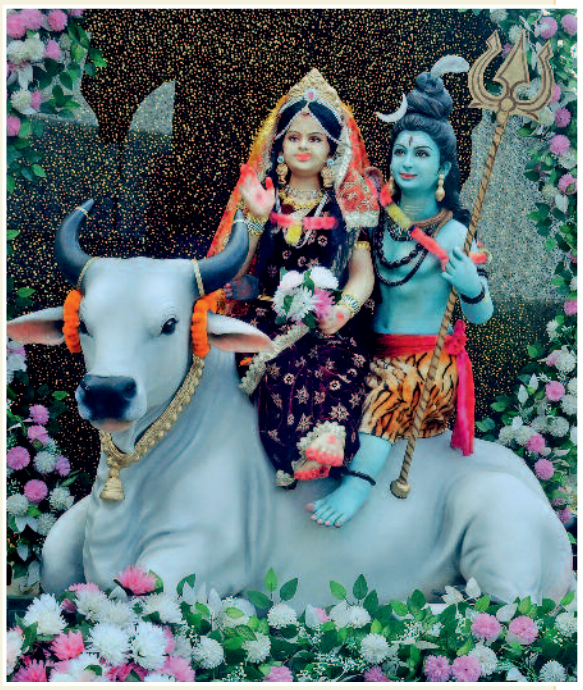

राजधानी में धूमधाम से मनाया दीपों का महापर्व, घर-आफिस में पूजा के बाद लोग परिवार के साथ पहुंचे मठ-मंदिर

दीपों से किया लक्ष्मी का स्वागत, बैंडबाजे-धुमाल संग गौरी गौरा की विदाई, जगह-जगह अन्नकूट और गोवर्धन पूजा

धन की देवी लक्ष्मी की आस्था में घर-आंगन और मठ-मंदिरों में दीपों की श्रृंखला सजाकर स्वागत किया। इसके बाद लोग परिवार के साथ आसपास के मंदिरों और मठों में आस्था का दीप जलाने पहुंचे। दूसरी तरफ पारंपरिक तरीके से गौरी-गौरा का विवाह रचाने के लिए भक्तों ने रतजगा किया। सुख-समृद्धि के लिए जगह-जगह अन्नकूट पूजा की गई। बुधवार को बैंडबाजे, धुमाल और डीजे की गूंज शहर में हर गली-मोहल्ले से शोभायात्रा के रूप में माता गौरी और गौरा की विदाई दी। इस दौरान महिलाओं ने नम आंखों से विदाई देते हुए माता गौरी से आशीष लेने दंडवत हुए।

पारंपरिक तरीके से पूजा के बाद जगह-जगह स्वागत

शहर के वार्ड 67 में भी प्रतिवर्ष की तरह इस बार भी गौरी-गौरा विवाह उत्सव धूमधाम से मनाया गया। इसके बाद बुधवार को पारंपरिक वाद्ययंत्रों की थाप पर झूमते हुए लोग निकले। इसमें शिवसेना जिला उपाध्यक्ष संजू साहू ने शामिल होकर आशीर्वाद प्राप्त किया। इसमें मुख्य रूप से शिवसेना के संतोष शुक्ला, प्रदेश प्रवक्ता लीलाधर, नारायण साहू, पूजा यादव और राहुल यादव ने शामिल होकर उत्सव को सफल बनाने में सहयोग दिया।

आज बहन यमुना और यमराज का पर्व भाईदूज

हर साल की तरह भाईदूज के लिए इस बार भी बहनों ने तैयारी की है। पौराणिक मान्यता है कि बहन यमुना ने अपने भाई यमराज की लंबी आयु के लिए व्रत किया था और उन्हें अन्नकूट का भोजन खिलाया था। कथा के अनुसार यम देवता ने अपनी बहन को इसी दिन दर्शन दिया था। यमराज की बहन यमुना अपने भाई से मिलने के लिए अत्यधिक व्याकुल थी। अपने भाई का दर्शन पाकर यमुना बेहद प्रसन्न हुई। यह परंपरा गुरुवार को प्रेम के प्रतीक भाईदूज के रूप में निभाई जाएगी। बहनों और भाइयों ने स्नेह के इस पर्व की तैयारी पहले से की हैं।

रायपुर। दीपोत्सव की धूम इस बार भी वीआईपी रोड स्थित श्रीराम मंदिर में रही। मुख्य पुजारी हनुमंत लाल के मार्गदर्शन में भक्तों ने आराध्य देव के दरबार में 21 सौ दीपों की श्रृंखला सजाई, वहीं उत्सव की घड़ी में पटाखों की गूंज रही। इससे पहले मंदिर को रंगीन लाइटों से सजाया गया था। मंदिर में इस बार भी भक्तों की भीड़ रही। कुछ इसी तरह का माहौल मां महामाया मंदिर, रावांभाठा स्थित बंजारी धाम, दंतेश्वरी मंदिर के साथ श्री जौतूसाव मठ और दूधाधारी मठ में भी रही। श्रीश्याम खाटू मंदिर में भक्तों ने आस्था के दीए जलाने के लिए परिवार के साथ पहुंचे। सोमवार की रात दूधाधारी मठ में मां लक्ष्मी महापूजन के बाद महामंडलेश्वर राजेश्री महंत रामसुन्दर दास ने लोगों को दक्षिणावर्ती शंख का दर्शन कराया। उन्होंने बताया कि यह दुर्लभ शंख है। इसकी सेवा श्री दूधाधारी मठ के प्रथम आचार्य स्वामी बलभद्र दासजी महाराज के समय से परंपरा के तहत की जा रही है। इस शंख का दर्शन लोगों को वर्ष में एक बार दीपावली पर ही प्राप्त होता है। इस खास महत्ता के चलते आसपास के लोग परिवार के साथ दुर्लभ शंख का दर्शन करने के लिए पहुंचे।

गोवर्धन पूजा के बाद लगाया तिलक

झेरिया यादव समाज ने टिकरापारा में धूमधाम से गोवर्धन पूजा की। बैंडबाजे की गूंज के बीच गिरधर गोपाल की पूजा-अर्चना की गई। सभी ने मिलकर ओम जय जगदीश... महाआरती के बाद बमलेश्वरी, दंतेश्वरी की पूजा-अर्चना की गई। फिर सात बार गिरिराज पर्वत की परिक्रमा करने के बाद गाय को खुर से गोवर्धन को खुदने के लिए लाया गया। सभी ने एक-दूसरे को गोबर का तिलक लगाकर आशीर्वाद प्राप्त किया। उक्त जानकारी समाज के संरक्षक माधव लाल यादव ने देते हुए बताया कि विगत 150 वर्षों से गोवर्धन पूजा और मातर महोत्सव की परंपरा निभाई जा रही है।

गौरी-गौरा को विदाई देने उमड़ा भक्तों का सैलाब

शहर में गौरी-गौरा पूजा के बाद विदाई के लिए हजारों की तादाद में लोग हर क्षेत्र से निकले। झांकी का नजारा देखने लायक था। अवधियापारा, पुरानी बस्ती और कुशालपुर क्षेत्र में पारंपरिक गड़वा बाजा की थाप पर लोग माता गौरी और गौरा को विदाई देने निकले। इस अवसर को खास बनाने के लिए झांकी के बीच युवा चिंपाजी के पहनावे में लोगों के बीच आकर्षण का केन्द्र बने हुए थे। मठपारा में श्री बलभीम अखाड़ा दल के खिलाड़ियों ने क्षेत्र के प्रमुख चौक-चौराहों पर विसर्जन यात्रा के बीच शौर्य प्रदर्शन किया। सुदामा नगर, छत्तीसगढ़ नगर, संजय नगर, भगत सिंह चौक ढीमरपारा और साहूपारा में भी गौरी-गौरा पूजा के बाद अपरान्ह तीन बजे धूमधाम से विसर्जन यात्रा निकाली गई। इसके चलते इन सभी क्षेत्रों में शाम को उत्सव का माहौल बना। गौरी-गौरा की झांकी जिस रूट से गुजरी महिलाएं माता गौरी से परिवार के लिए सुख- समृद्धि की कामना करते हुए पूजा-अर्चना की और आशीष ली।

ठाकुरजी को मंत्रोच्चार के साथ लगाया 56 भोग

कार्तिक शुक्ल प्रतिपदा को हर वर्ष की तरह गोवर्धन पूजा का महापर्व श्रद्धा भक्ति से श्री दूधाधारी मठ में भी मनाया गया। गौ माताओं की पूजा की गई। गोबर से गोवर्धन पर्वत बनाकर उसकी विधिवत आराधना की गई। ठाकुरजी को 56 भोग लगाया। छत्तीसगढ़ को धान का कटोरा कहा जाता है और धान को अन्नपूर्णा भी कहते हैं, इसलिए इस वर्ष मठ के गर्भगृह को धान की बालियों से सजाया गया। इसी तरह श्री जैतूसाव मठ और दूधाधारी मठ में गोवर्धन पूजा की गई। गौ माता का श्रृंगार करके उनकी विधिवत पूजा अर्चना की गई। उनको फल एवं मिष्ठान का भोग लगाया गया। श्रद्धालुओं ने गौमाता के गोबर से एक- दूसरे को तिलक लगाया और गौवंश वृद्धि के लिए कामना की। महामंडलेश्वर राजेश्री महंत रामसुन्दर दास ने कार्तिक शुक्ल प्रतिपदा और गोवर्धन पूजा की महत्ता बताई। आयोजन में दाऊ महेंद्रा अग्रवाल, सुरेश शुक्ला, रमेश यदु, चंद्रकांत यदु, जगन्नाथ अग्रवाल, पुजारी सुमित तिवारी, मीडिया प्रभारी निर्मल दास वैष्णव और हर्ष दुबे और अजय तिवारी प्रमुख रूप से शामिल हुए।

लभांडी में गौरी गौरा पूजा में छलका उत्साह

लभांडी में गौरी-गौरा महिला सेवा समिति द्वारा गौरी-गौरा पूजा उत्सव धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर भगवान शिव और माता पार्वती की मिट्टी से मूर्ति बनाकर पूजा की गई। भगवान गौरा की बारात निकाली गई। इसमें गांव के लोगों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। इस दौरान बाजे की धुन पर लोग नाचते और झूमते हुए गौरी माता को लेने गए। विवाह के बाद गौरी-गौरा की मूर्ति को गांव में भ्रमण करवाया गया। महिला सेवा समिति की अध्यक्ष मीना निषाद, बहुरा निषाद, सावित्री निषाद, सरोज यादव, केजा यादव, पंच पटेल, पुनाराम, प्रेम निषाद ने इस आयोजन को सफल बनाने में सहभागी रहे।

दिव्यांगों के परिचय सम्मेलन से पहले तैयारी तेज करने मीटिंग

कार्नर न्यूज

रायपुर। आशीर्वाद भवन रायपुर में हुई प्रांतीय मीटिंग में अखिल भारतीय विकलांग चेतना परिषद के पदाधिकारियों ने 21 दिसम्बर को परिचय सम्मेलन करने का निर्णय लिया है। साथ ही 28 फरवरी और एक मार्च 2026 को निःशुल्क दिव्यांग सामूहिक विवाह बैरनबाजार में आयोजित करने से पहले तैयारी तेज की है। संस्था के संरक्षक वीरेन्द्र पांडे से रायसुमारी के बाद दायित्वों का विभाजन भी किया गया है। राष्ट्रीय उपाध्यक्ष अनुराधा दुबे ने इस संस्था के संस्थापक स्व. डॉक्टर डीपी अग्रवाल को याद कर उनके बताए मार्ग पर चलते हुए 16वें वर्ष भी आयोजन को समारोह का रूप देने के लिए तैयारी तेज करने के साथ इसे सफल बनाने के लिए रूपरेखा तय की। यह जानकारी विकलांग चेतना परिषद के अध्यक्ष सत्येन्द्र अग्रवाल ने देते हुए आयोजन से पहले भी मंथन करने पर जोर दिया।

28 फरवरी और एक मार्च 2026 को निःशुल्क दिव्यांग सामूहिक विवाह होगा

बांस की टोकरियां और सूप, पीतल के बर्तन, प्रसादी के सामान फल, गन्ने, गुड़ की बढ़ी मांग

छठ पूजा से पहले बाजारों में बढ़ी चहल-पहल पूजा सामान लेने खरीदारी में जुटी महिलाएं

रायपुर। लोक आस्था के महापर्व छठ पूजा को लेकर राजधानी के बाजारों में रौनक बढ़ गई है। जैसे-जैसे सूर्य उपासना के इस पर्व की तिथि नजदीक आ रही है, वैसे-वैसे बाजारों में श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ रही है। गोलबाजार में दउरा, सुपली, डगरा, छइंटा और कोसी की दुकानें सज चुकी हैं। छठ व्रती करने वाले इन दुकानों पर पूजा सामग्री की खरीदारी में व्यस्त हैं, खासकर महिलाओं और व्रतियों में विशेष उत्साह देखा जा रहा है। छठ पूजा में उपयोग होने वाली पारंपरिक सामग्रियों की मांग इस बार काफी बढ़ी है। शहर में उत्तर भारतीय समाज के लोग महापर्व छठ की तैयारी में जुट गए हैं। दीपावली के बाद राजधानी में छठ पूजा की बाजार सज गई है। गोलबाजार बाजार में छठ व्रत रखने वाले लोग पूजन सामग्रियों की खरीदारी करने बड़ी संख्या में पहुंच रहे हैं। बाजार में छठ पूजा की उपयोगी सामग्री जैसे सूप, दउरा और टोकरी की बिक्री शुरू हो गई है। सूर्य उपासना का यह चार दिवसीय पावन पर्व उत्तर भारतीय संस्कृति के आस्था और परंपरा का महापर्व है। छठ पूजा के लिए आवश्यक सामग्री में बांस की टोकरियां और सूप, पीतल का लोटा या तांबे का कलश, दीपक, अगरबत्ती, सिंदूर, कुमकुम और धूप जैसे पूजा के सामान शामिल हैं। इसके अलावा प्रसाद के लिए फल (केला, गन्ना, शरीफा), शकरकंद, सुथनी, गुड़, ठेकुआ और मौसमी फल जैसी चीजों की बाजार में खूब मांग है।

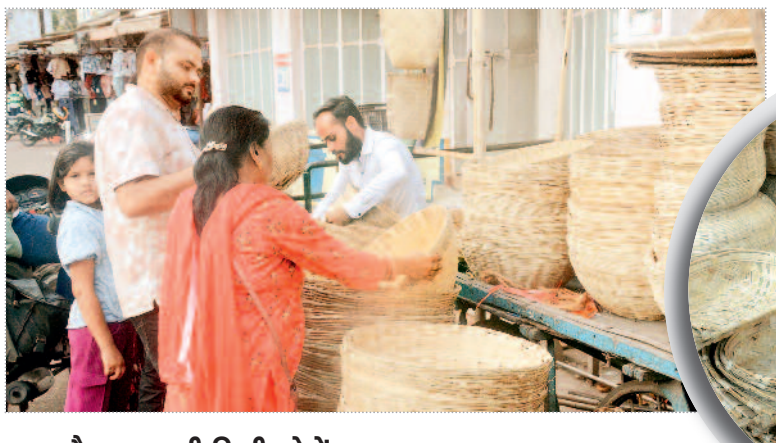

सूप और दउरा की बिक्री जोरों पर

राजधानी रायपुर में इन दिनों बाजारों में छठ से जुड़ी सामग्रियों की बिक्री जोरों पर है। सूप और दउरा इस पर्व में अहम माना जाता है। इस बार सूप की कीमत 100 से लेकर 150 रुपए तक और दउरा की कीमत 400 से 600 रुपए हैं। गोल बाजार में सूप, दउरा और टोकरी बेच रहीं अघनिया देवी बताती हैं कि वह परंपरागत रूप से बांस शिल्प कारीगरी का काम करती आ रही हैं। हमारे पास से लोग घर, खेती -किसानी, शादी ब्याह और छठ पर्व के लिए सूप, टोकरी खरीदते हैं। छठ पर्व के लिए लोग बड़ी संख्या में सूप, दउरा और टोकरी खरीद रहे हैं।

25 अक्टूबर से शुरू होगा अनुष्ठान

इस बार छठ महापर्व की शुरुआत 25 अक्टूबर से नहाय-खाय के साथ होगी। इसके साथ ही चार दिनों तक चलने वाले इस पर्व की औपचारिक शुरुआत हो जाएगी। अगले दिन खरना, उसके बाद शाम का अर्घ्य और फिर सुबह का अर्घ्य के साथ पर्व का समापन होगा। नहाय-खाय के साथ ही व्रती पूरी शुद्धता के साथ व्रत की शुरुआत करते हैं। शहर के नदी घाट पर छठ पूजा को लेकर तैयारी की जा रही है।

समाज लाइव

उत्सव के बीच जरूरतमंदों और अस्पतालों में परिजनों की सेवा

रायपुर। दीपोत्सव और गोवर्धन पूजा के बीच शहर के ज्यादातर होटल और नास्ता दुकानें बंद होने से दूर-दराज से मरीजों का इलाज करवाने के लिए राजधानी के अस्पतालों में रुके मरीजों के परिजनों को युवाओं ने भोजन सेवा दी। जब प्रदेश में दीपोत्सव मनाया जा रहा था, तब होटलों के भरोसे जिन लोगों को भोजन मिलता था, ऐसे लोग भूखे पेट न सोए इसलिए संस्था अवाम ए हिन्द सोशल वेलफेयर कमेटी के संस्थापक मो. सज्जाद खान ने भोजन सेवा का दायित्व अपनी टीम के साथ निभाया। प्रतिदिन फुटपाथ और विभिन्न स्थानों पर जरूरतमंदों और निराश्रितों के साथ डीकेएस और सरकारी अस्पतालों में भी विभिन्न जिले, वनांचल से इलाज के लिए आए मरीजों के परिजनों को निःशुल्क स्वादिष्ट भोजन, मिष्ठान और फल मुहैय्या कराते हुए राहत पहुंचाने का प्रयास सेवाभाव से किया।

बड़ों को भोजन और बच्चों को उपलब्ध कराया दूध

दीपावली त्योहार के दिन ही नहीं, उसके दूसरे और तीसरे दिन अधिकतम दुकानें, होटल बंद रहते हैं। इससे बेसहारा, जरूरतमंदों को भोजन मिलना कठिन हो जाता है। ऐसी परिस्थिति में मानवीय संवेदना के आधार पर कोई भी व्यक्ति भूखा ना रहे, ना कोई भूखा सोए। इसी उद्देश्य की पूर्ति के लिए संस्था ने आपातकालीन सेवा के माध्यम से रेलवे स्टेशन, फुटपाथ पर निराश्रितों और अस्पतालों में मरीजों के परिजनों तक दोपहर एवं रात का भोजन, फल के साथ अन्य आवश्यक सामग्री और बच्चों के लिए दूध की व्यवस्था की। इस सेवा में संस्थापक के साथ राजेंद्र शर्मा, महावीर जैन, पंडित अनिल शुक्ल, जुबैर खान, वसीम अकरम, राजकुमार साहू, कुलविंदर सिंह, फराज खान और संस्था के अन्य सदस्यों ने सहयोग प्रदान किया।

धर्म लाइव

दादाबाड़ी का मंगल पट खुलते ही श्रद्धालुओं ने किए प्रथम दर्शन

रायपुर। श्री सीमंधर स्वामी जैन मंदिर और चमत्कारी श्री जिनकुशल सूरि जैन दादाबाड़ी भैरव सोसायटी में भगवान महावीर स्वामी के निर्वाण और प्रथम गणधर गौतम स्वामी के कैवल्य कल्याणक विधान किया गया। सुबह 5. 30 बजे गुमानचंद, संतोष चंद, सुरेश चंद सहित लविश मोक्ष झाबक, लालगंगा रीजेंसी परिवार ने दादाबाड़ी का मंगल पट खोलकर सैकड़ों श्रद्धालुओं को दर्शन का अवसर दिया। इसके बाद महावीर स्वामी, सीमंधर स्वामी, गौतम स्वामी व दादागुरुदेव को लड्डू चढ़ाया गया। सीमंधर स्वामी जैन मंदिर और दादाबाड़ी ट्रस्ट के अध्यक्ष संतोष बैद, महासचिव महेन्द्र कोचर ने बताया कि सकल श्रीसंघ द्वारा मनोज झाबक के साथ चैत्यवंदन क्रिया की। निर्वाण और कैवल्य कल्याणक का लड्डू चढ़ाया गया।

पूजा और भोग अर्पित करने के लिए तांता

निर्वाण एवं कैवल्य कल्याणक लड्डू चढ़ाने के लाभार्थी शासन नायक महावीर स्वामीजी, राजेश करुणा सिंघी, अरिहंत हाईट्स , मूलनायक सीमंधर स्वामी का तिलोकचंद शांतिलाल अशोक बरड़िया परिवार गौतम स्वामी का जीवनलाल, डॉ. योगेश नयन, खुशी बंगानी परिवार भी दादागुरु देव को लड्डू चढ़ाने के लाभार्थी रहे। पदम चंद कमल चंद नीलेश गोलछा, देवी पद्मावती माता को ज्ञानचंद बरड़िया परिवार ने लड्डू चढ़ाया। चैत्यवंदन के बाद सीमंधर स्वामी व दादा गुरुदेव की आरती व मंगलदीपक किया। आरती के लाभार्थी परमात्मा की आरती मनोहरमल पुगलिया, मंगल दीपक तिलोकचंद शांतिलाल, अशोक बरड़िया ने दादा गुरुदेव की आरती, मंजू प्रमोद टाटिया मंगल दीपक ने सामूहिक आरती की।

सेवा लाइव

रक्तदान कर युवाओं ने की सेवा बुजुर्ग का किया अंतिम संस्कार

रायपुर। शहर में युवा पहल से जुड़े मेंबर्स हर वर्ग के लोगों को सेवा देने का दायित्व विगत कई वर्षों से निभा रहे हैं। इस कड़ी में बुधवार को थैलीसीमिया पेशेंट को ए पॉजिटिव ब्लड की जरूरत थी। इसे पिछले दस वर्षों से युवा पहल के साथियों द्वारा हर महीने सिटी ब्लड बैंक के माध्यम से रक्तदान किया जा रहा है। इस तरह के 20 से ज्यादा पेशेंट को जरूरत पड़ने पर युवा पहल के मेंबर्स द्वारा रक्तदान करके सेवा दी जाती है। संस्था के उपाध्यक्ष अनुराग के मार्गदर्शन में जरूरतमंद पेशेंट को रक्तदान किया जाता है, ताकि मरीजों के परिजनों को ब्लड की जरूरत को पूरा करने के लिए भटकने की स्थिति का सामना करने से बचाया जा सके। इसके लिए संस्था के मार्गदर्शन में युवा मेंबर्स सहभागिता निभा रहे हैं।

मृत्यु होने पर मुखाग्नि का दायित्व निभा रहे युवा

सेवा की कड़ी में वृद्धाश्रम में एक माताजी का निधन हो गया था। जो बच्चे अपने माता- पिता को छोड़ देते हैं, ऐसे बुजुर्ग माता-पिता की मृत्यु होने पर मुखाग्नि देते हुए युवा अंतिम संस्कार का दायित्व भी निभाते हैं। पिछले कई वर्षों से युवा पहल से जुड़े साथियों को सूचना मिलती है। उस कड़ी में बुधवार को बुजुर्ग माताजी के पार्थिव देह को मुखाग्नि युवा पहल साथी भूपेंद्र दीवान, राजेश साहू, लल्ला बघेल द्वारा कर्मकांडी पंडित संजय जोशी के मार्गदर्शन में दी गई। दीपावली के दिन भी युवा रक्तदान करने और जरूरतमंदों के साथ खड़े हुए। वृद्धाश्रम में रहने वाले बुजुर्गों की मृत्यु के बाद भी जब उनके अपने नहीं आते है, तब युवा साथी दायित्व निभाने के लिए तत्पर रहते हैं।

नर्सरी से घर के गार्डन, बालकनी में गमलों के लिए फूल प्रेमी खरीद रहें मनपसंद फ्लावर्स पॉट

चमेली, रंगबिरंगी फैंसी-चटक नारंगी और पीला गेंदा फूल, प्रिमरोज़ से सज रहे होम गार्डन

सर्दियों के मौसम में घर के गार्डन, बालकनी के फूल गमलों में नए सुगंधित, आकर्षित फूलों के पौधे रोपे जाने का सीजन शुरू हो चुका है। शहर के फ्लावर्स प्रेमी और गार्डनिंग का शौक रखने वाले लोग तैयारी में जुट गए हैं। गार्डन व गमलों में मिट्टी को तैयार करना, उपयुक्त खाद डालना, सिंचाई के साधन व्यवस्था के बाद मनपसंद शोभादार, फूलदार पौधे नर्सरी से खरीदने पहुंच रहे हैं।

इन फूलों व शोभादार पौधों की डिमांड

रंगबिरंगी पैंसी के फूल यह सर्दियों में घर पर उगाने के लिए सबसे अच्छे फूलों वाले पौधों में से एक है। ये रंग-बिरंगे फूल बैंगनी, पीले, लाल और सफेद रंग के विभिन्न रंगों में आते हैं। सदाबहार गेंदा ये फूल चटक नारंगी और पीले रंग के लिए जाने जाते हैं, और यह सर्दियों के मौसम में सदाबहार फूल है। खुशनुमा पीले व नारंगी कैलेंडुला घर के गार्डन में उगाने के लिए एक बेहतरीन सर्दियों के फूल है। फूल सर्दियों के बगीचे को गुलजार करने और अपने औषधीय गुणों के लिए भी जाने जाते हैं।

डायन्थस सुगंधित फूल वाले पौधे गुलाबी, लाल और सफेद रंगों में आते हैं और पूरे सर्दियों के महीनों में खिलते हैं। स्वीट एलिसम के फूल छोटे, सुगंधित फूल बगीचे की क्यारियों को सजाने या अन्य पौधों के बीच के अंतराल को भरने के लिए एकदम उपयुक्त हैं। प्रिमरोज ये नाजुक फूल विभिन्न रंगों में आते हैं और किसी भी बगीचे में सुंदरता में चार चांद लगाता है। वहीं, शीतकालीन चमेली, वायोला, इंग्लिश आइवी जैसे शोभादार व फूलदार पौधों की नर्सरी में काफी डिमांड हो रही है।

50 से 500 रुपए तक पौधों की कीमत

पुरानी धमतरी रोड नर्सरी, रायपुरा चौक महादेवघाट रोड नर्सरी में 50 रुपए से 500 रुपए तक कीमत में फूलों व शोभादार पौधे बिक रहे हैं। गेंदा के पौधे की वैरायटी 50 रुपए कीमत से शुरू है। वहीं पैंसी, शीतकालीन चमेली, वायोला, इंग्लिश आइवी जैसे फूल व शोभादार पौधे 100 से 500 रुपए कीमत तक बिक रहे हैं। कीमतों की परवाह किए बगैर गार्डनिंग के शौकिन इन पौधों को अपने होम गार्डन व बालकनी की शोभा बना रहे हैं।

रायपुर। पुरानी धमतरी रोड स्थित नर्सरी पहुंचे विक्रम गुप्ता और सोनाली गुप्ता का कहना है कि वे अपने घर के गार्डन और बालकनी के गमलों के लिए गेंदा, गुलाब के पौधे लेने आए हैं। उन्होंने बताया कि उन्हें गेंदा और गुलाब के फूलों की गार्डनिंग का शौक है। सर्दी के सीजन के लिए वह हर साल इन फूलों के नए पौधों की रोपाई करते हैं। इसके लिए उद्यानिकी विशेषज्ञों का मार्गदर्शन भी लिए हैं। वहीं, नर्सरी संचालक का कहना है कि सर्दियों के मौसम के लिए शोभादार, फूलदार पौधों की मांग खूब हो रही है। शहरी क्षेत्र होने के कारण राजधानी के हर घर की बालकनी व गार्डन में शोभादार व फूलदार पौधे रोपे जाने का ट्रेंड है। इसी के मद्देनजर बड़ी संख्या में होम गार्डनिंग के शौकीन लोग शोभादार व फूलदार पौधे खरीदने पहुंच रहे हैं। उद्यानिकी विशेषज्ञों का कहना है कि पौधे उगाने के लिए सर्दियों का मौसम एक बेहतरीन समय है, क्योंकि इस दौरान मौसम ठंडा और सुहावना होता है। इस मौसम में कई फूलदार पौधे पनपते हैं और बगीचे में रंग और सुंदरता भर जाता है। घरेलू बागवानों के लिए चुनने के लिए ढेरों विकल्प मौजूद हैं।

उद्यानिकी विशेषज्ञों के टिप्स

हॉर्टिकल्चर विशेषज्ञ अरुण आचार्य के मुताबिक सर्दियों में घर के बगीचे में आसानी से फूल व शोभादार पौधे उगा सकते हैं। अपने पौधों को नियमित रूप से पानी देना और उन्हें पर्याप्त रोशनी देना याद रखें। थोड़ी सी देखभाल से ये फूलदार पौधे सर्दियों के मौसम में गुलजार हो जाएंगे। इस सर्दियों के मौसम में खिलते फूलों से पूरा घर ताजगी व खुशनुमा माहौल से भर जाएगा। फूलों और सजावटी पौधों के रोपाई के समय मिट्टी का परीक्षण, कीट नियंत्रण, सिंचाई प्रबंधन की टिप्स जरूरी होता है। उद्यानिकी विशेषज्ञों से जो नर्सरी, उद्यान, अनुसंधान केंद्र या बड़े पैमाने पर कृषि जैसे विभिन्न स्थानों पर काम करते हैं, उनसे परामर्श ले सकते हैं।

शांतिधारा पूजा करके मनाया महावीर निर्वाण महोत्सव

रायपुर। कचना के अमलतास रेसीडेंसी स्थित श्री मुनि सुब्रत नाथ दिगम्बर जैन मंदिर में वर्तमान शासन नायक वीर प्रभु महावीर भगवान का 2552वां मोक्ष कल्याणक (निर्वाण दिवस) बुधवार को मनाया गया। इसके अंतर्गत वीर प्रभु महावीर भगवान का जलाभिषेक और शांतिधारा के बाद पूजन किया गया। गौतम स्वामी का पूजन करने के बाद निर्वाण लड्डू समर्पित किया गया। शांतिधारा का पुण्य अर्जक परिवार प्रणय, अनिल जैन परिवार के साथ कमल कुमार, विपिन कुमार और संस्कार जैन परिवार को प्राप्त हुआ। निर्वाण लड्डू समर्पित करने का सौभाग्य नरेंद्र, अशोक कुमार पालीवाल परिवार को प्राप्त हुआ। यह जानकारी मंदिर के अध्यक्ष हिमांशु जैन और भाई सुरेश मोदी ने दी।

अमावस्या जैसी अशुभ तिथि को भी शुभ बना दिया

उन्होंने बताया कि आज के दिन जैन धर्म के अंतिम तीर्थंकर, वर्तमान शासन नायक महावीर भगवान का सुबह शुभ बेला में योग धारण करते हुए इस संसार से विदा लेकर मोक्ष लक्ष्मी को प्राप्त किए। भगवान महावीर ने कार्तिक कृष्ण अमावस्या को निर्वाण प्राप्त किया था। अमावस्या जैसी अशुभ तिथि को भी उन्होंने शुभ बना दिया, इसलिए यह तिथि पवित्र है। इस दिन गौतम गणधर स्वामी जो, वीर प्रभु महावीर के गण धर थे, उन्हें भी केवल ज्ञान की प्राप्ति हुई थी। केवल ज्ञान ज्योति के उपलक्ष्य में हमें उस ज्योति की प्राप्ति हो, इसलिए दीपोत्सव को उल्लास के साथ मनाते हैं।

रस्साकस्सी प्रतियोगिता में महिला-पुरुष दोनों वर्ग विजेता

रायपुर। छत्तीसगढ़ स्वामी विवेकानंद तकनीकी विवि सीएसवीटीयू के तत्वावधान में एक दिवसीय राज्य स्तरीय रस्सा कस्सी टग ऑफ वार प्रतियोगिता का आयोजन शासकीय पॉलिटेक्निक महाविद्यालय में किया गया। विश्वविद्यालय की एकीकृत राज्यस्तरीय खेल प्रतियोगिता के अंतर्गत आयोजित राज्य के विभिन्न तकनीकी व फार्मेसी महाविद्यालयों की महिला एवं पुरुष टीमों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम की शुरुआत महाविद्यालय के प्राचार्य प्रोफे. शैलेन्द्र सिंह ने खिलाड़ियों को संबोधित करते हुए कहा कि खेल जीवन में अनुशासन, सहयोग और आत्मविश्वास का संचार करते हैं। रस्साकस्सी जैसे पारंपरिक टीम खेल से विद्यार्थियों में एकता और समन्वय की भावना मजबूत होती है। विश्वविद्यालय खेल निदेशक किशोर भारद्वाज ने विद्यार्थियों में टीमवर्क और नेतृत्व क्षमता को बढ़ाने प्रोत्साहित किया। राज्यभर के तकनीकी संस्थानों की टीमों ने दमखम दिखाया और दर्शकों का भरपूर मनोरंजन किया। रोमांचक मुकाबलों के बाद पुरुष वर्ग में शासकीय पॉलीटेक्निक महाविद्यालय दुर्ग ने प्रथम स्थान प्राप्त किया।

खबर संक्षेप

स्वतंत्रता संग्राम सेनानी ठाकुर प्यारेलाल को किया नमन

रायपुर। नगर निगम के संस्कृति विभाग की ओर से स्वतंत्रता संग्राम सेनानी ठाकुर प्यारेलाल सिंह को नमन करने पुष्पांजलि कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस मौके पर आमापारा के बुनकर सोसायटी भवन स्थित प्रतिमा स्थल पर आयोजित कार्यक्रम में निगम के संस्कृति विभाग अध्यक्ष अमर गिदवानी ने ठाकुर प्यारेलाल सिंह के देशप्रेम और उनके त्याग की भावना की सराहना करते हुए उन्हें पुष्पांजलि दी। उन्होंने इस मौके पर कहा कि शहर के अलग-अलग स्थानों पर स्थापित महापुरूषों के प्रतिमा स्थल की सफाई पर ध्यान दिया जाएगा। इसके लिए विभाग के अधिकारियों को दिशा निर्देश दिए गए हैं। कार्यक्रम में विद्युत और अभियांत्रिकी विभाग अध्यक्ष सुमन-अशोक पाण्डेय, जोन 5 जोन कमिश्नर खीरसागर नायक, स्वतंत्रता संग्राम सेनानी ठाकुर प्यारेलाल सिंह के परिजन, गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

रोड स्वीपिंग मशीन लगाकर 52 मार्गो की सफाई

रायपुर। दीपावली पर्व पर शहर भर में भारी मात्रा में निकलने वाले कचरे को साफ करने महापौर श्रीमती मीनल चौबे,आयुक्त विश्वदीप के निर्देश पर 7 रोड स्वीपिंग मशीन लगाकर 52 विभिन्न मार्गो की रात्रिकालीन सफाई करवाई गई। इस दौरान मुख्य मार्गो से पटाखों का कचरा सहित अन्य सामग्री और रैपर सफाई के दौरान साफ कराया गया।
मेकेनाइज्ड स्वीपिंग मशीन का उपयोग सिविल लाईन, पंचशील नगर सहित लगभग अन्य मार्गो में 20 और 21 अक्टूबर की रात्रि को रात्रिकालीन सफाई अभियान के तहत किया गया। राजधानी के 2 लेन, 4 लेन और 6 लेन मार्ग से धूल की सफाई और सड़क तथा डिवाइडर की धुलाई का कार्य अनुबंधित एजेंसी के माध्यम से कराया जा रहा है।

विधि-विधान से गो माता की पूजा-अर्चना

रायपुर। बूढ़ेश्वर चौक रायपुर स्थित श्री संकट मोचन की हनुमान मंदिर गौशाला में अन्नकूट के पावन अवसर पर गोवर्धन पूजा मंत्र उच्चारण विधि विधान से गौ माता का पूजा-अर्चना की गई। सबसे पहले गौ माता का स्नान किया गया और प्रसादी के रूप में खिचड़ी खिलाया गया। साथ ही संकट मोचन हनुमान मंदिर में प्रसादी वितरण भी किया गया, जिसमें सैकड़ो भक्तों ने प्रसाद ग्रहण किया और हनुमान जी का दर्शन का लाभ लिया। संकट मोचन वीर हनुमान मंदिर के वर्तमान महंत राजेश शर्मा ने सभी भक्तों को गोवर्धन पूजा की शुभकामनाएं देते हुए छत्तीसगढ़ सुख शांति समृद्धि के लिए विशेष पूजा अर्चना की गई।

25 को नहाय-खाय के साथ शुरू होगा चार दिवसीय छठ महापर्व, छठी मइया की स्तुति में गूंजेंगे लोकगीत

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

सवा लाख दीपों से जगमग होगा महादेवघाट, गंगा महाआरती 27 को, छठ महापर्व आयोजन समिति तैयारी में जुटी

स्वच्छता का प्रतीक और लोक आस्था से जुड़े चार दिवसीय छठ महापर्व की शुरुआत 25 अक्टूबर को नहाय-खाय साथ होगी। इस महापर्व को भव्य रूप से मनाने छठ महापर्व आयोजन समिति तैयारियों में जुट गई है। महादेवघाट पर 27 अक्टूबर की संध्या सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें मुंबई से जानी-मानी अंतर्राष्ट्रीय लोक गायिका स्वाति मिश्रा छठी मइया की महिमा का गुनगान करने मंच पर होंगी। आयोजन समिति के अध्यक्ष राजेश कुमार सिंह ने बुधवार को पत्रकार वार्ता में इस बात की जानकारी दी।

उन्होंने बताया कि शहर में 50 से अधिक स्थानों पर छठ महापर्व उत्साह के साथ मनाया जाएगा। इसमें खारुन नदी के महादेवघाट, बूढ़ातालाब, बिरगांव के व्यास तालाब सहित राजधानी के अन्य तालाबों के घाटों पर छठी मइया की पूजा अर्चना की जाएगी। इस मौके पर घाटों की सफाई और रंगरोगन कर तालाब किनारे वेदी सजाकर पारंपरिक रूप से पूजा अर्चना की जाएगी।

छठ महापर्व आयोजन समिति के अध्यक्ष राजेश कुमार सिंह ने चर्चा में बताया कि छठ पर्व एक ऐसा पर्व है, जिसमें डूबते हुए सूर्य और उगते हुए सूर्य की पूजा की जाती है। सूर्य उपासना के इस लोक महापर्व में पवित्र स्नान, उपवास और लंबे समय तक पानी में खड़ा होना, सूर्य देवता को अर्ध्य देना शामिल है।

सवा लाख दीपों से जगमगएगी खारुन, गंगा आरती

खारुन नदी के महादेवघाट पर27 अक्टूबर की शाम सवा लाख दीपों से गंगा आरती की जाएगी। बनारस की तर्ज पर होने वाली गंगा महाआरती में बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल होंगे। इसी दिन लोकधारा के मशहूर कलाकार तिलक राजा साहू और केशरी साहू की टोली छत्तीसगढ़ी सांस्कृतिक कार्यक्रम की आकर्षक प्रस्तुति देने कार्यक्रम स्थल पर मौजूद रहेगी। इसके अलावा इलाहाबाद से आमंत्रित सोनाली ओर तरूण चोपड़ा की टीम आकर्षक झांकी के बीच सुंदर नृत्य नाटिका पेश करेगी। पत्रकारों से चर्चा में आयोजन समिति के अध्यक्ष राजेश कुमार सिंह ने बताया कि आयोजन समिति, जिला प्रशासन और रायपुर नगर निगम के सहयोग से खारुन नदी के महादेवघाट सहित सभी घाटों की सफाई कराई जा रही है। इसी तरह नवा रायपुर अटल नगर में झांझ तालाब के किनारे छठ पूजा का आयोजन किया जाएगा। पत्रकार वार्ता में आयोजन समिति के उप प्रमुख कन्हैया सिंह, संतोष सिंह, प्रचार-प्रसार सचिव ब्रजेश सिंह, कोषाध्यक्ष सुनील सिंह, सत्येंद्र सिंह गौतम सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे।

चैंबर सभागार में दीपावली मिलन समारोह

जीवन और व्यापार में सकारात्मक ऊर्जा के साथ करें चुनौती का सामना

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

छत्तीसगढ़ चैंबर ऑफ कामर्स एंड इंडस्ट्रीज की ओर से राबांबे मार्केट स्थित चैबर भवन सभागार में दीपावली मिलन समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर प्रदेश अध्यक्ष सतीश थौरानी ने कहा, हमें अपने जीवन और व्यापार में आने वाली हर चुनौती का सामना सकारात्मक ऊर्जा के साथ करना चाहिए। दीपावली पर्व की बधाई देते हुए उन्होंने कार्यक्रम में शामिल व्यापारी बंधुओं से प्रदेश की उन्नति में एकजुट होकर योगदान देने का आह्वान किया। समारोह में विधायक मोतीलाल साहू, उत्तर विधायकपुरंदर मिश्रा ने व्यापार जगत की सराहना करते हुए कहा कि व्यापारिगण प्रदेश के अर्थव्यवस्था की रीढ़ हैं। दीपावली का यह पर्व हमें एकजुटता और सौहार्द का संदेश देता है। चैंबर मिलन समारोह इसी भावना को मजबूत करने का सराहनीय प्रयास है। समारोह के दौरान विकसित व्यापार का आधार चैंबर परिवार के नारे गूंजे । कार्यक्रम में शामिल चैंबर के पदाधिकारियों और व्यवसायिओं ने संयुक्त रूप से दीप जलाए,एक दूसरे को गले लगकर दीपावली की बधाई दी।

दीपावली मिलन समारोह में चैंबर संरक्षक श्रीचंद सुंदरानी, चैंबर प्रदेश अध्यक्ष सतीश थौरानी, अमर गिदवानी, चतुर्भुज अग्रवाल, यू.एन. अग्रवाल, लालचंद गुलवानी,जगदीश अग्रवाल, हनुमान प्रसाद अग्रवाल,पूर्व संरक्षक आसुदाराम वाधवानी, पूरनलाल अग्रवाल, विजय अग्रवाल, सलाहकार तिलोकचंद बरडिया, लखमशी पटेल, अरविंद जैन, किशोर आहूजा, सुशील अग्रवाल, मोहन लाल तेजवानी, अशोक मलानी, चंदर विधानी, अमरजीत सिंह छाबड़ा, पूर्व अध्यक्ष जितेन्द्र बरलोटा, कार्यकारी अध्यक्ष राधाकिशन सुंदरानी, राजेश वासवानी, ललित जैसिंघ, विनय बजाज, विक्रम सिंहदेव, जसप्रीत सलूजा पूर्व कार्यकारी अध्यक्ष जितेंद्र दोशी, राम मंधान, हरख मालू, संजय क़ानूँगा कार्यकारी महामंत्री कपिल दोशी, विकास आहूजा, उपाध्यक्ष लोकेश चंद्रकांत जैन, निलेश मूंदड़ा, टी.श्रीनिवास रेड्डी, ट्रांसपोर्ट चैंबर अध्यक्ष हरचरण सिंह साहनी, महिला चेंबर अध्यक्ष डॉ. ईला गुप्ता, महामंत्री मनीषा तारवानी, कोषाध्यक्ष नम्रता श्रीकांत अग्रवाल, अग्रवाल समाज के अध्यक्ष विजय अग्रवाल आदि उपस्थित रहे।

कैट के दीपावली मिलन में स्वदेशी संकल्प पर जोर

कैट का दीपावली मिलन समारोह पंडरी स्थित प्रदेश कार्यालय में आयोजित हुआ। इस अवसर पर प्रदेश के विभिन्न व्यापारी संगठनों के प्रतिनिधि ,व्यापारी,उद्योगपति, समाजसेवी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। समारोह लोकल फॉर वोकल को बढ़ावा देने और स्वदेशी संकल्प के साथ दीप प्रज्वलित कर दीपावली पर्व की बधाई देने का सिलसिला चलता रहा। कैट के राष्ट्रीय वाइस चेयरमैन एवं राष्ट्रीय व्यापारी कल्याण बोर्ड के सदस्य अमर पारवानी, प्रदेश चेयरमैन विक्रम सिंहदेव,प्रदेश अध्यक्ष परमानंद जैन ने बताया कि कैट का उद्देश्य हर व्यापारी तक स्वदेशी का संदेश पहुंचाना और भारतीय व्यापार को आत्मनिर्भरता की दिशा में अग्रसर करना है। कार्यक्रम का शुभारंभ कैट के संरक्षक आसुदामल वाधवानी, हनुमान प्रसाद अग्रवाल, रामजी भाई पटेल, राष्ट्रीय वाइस चेयरमैन अमर पारवानी ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलन कर किया गया। इस अवसर पर छत्तीसगढ़ अल्पसंख्यक आयोग के अध्यक्ष अमरजीत सिंह छाबड़ा, भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता अमित चिमनानी, तथा गणमान्य नागरिक एवं व्यापारी नेता विशेष रूप से उपस्थित रहे।

बस्तर ओलिंपिक 2025 : मुख्यमंत्री साय के नेतृत्व में खेलों के माध्यम से शांति और समरसता का संदेश

रायपुर। छत्तीसगढ़ के अनुसूचित जनजातीय बाहुल्य बस्तर संभाग में युवाओं की ऊर्जा, उत्साह और प्रतिभा को निखारने के उद्देश्य से 'बस्तर ओलंपिक 2025' का आयोजन किया जा रहा है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के मार्गदर्शन में गृह (पुलिस) विभाग और खेल एवं युवा कल्याण विभाग के संयुक्त तत्वावधान में होने वाला यह आयोजन प्रदेश के रजत जयंती वर्ष में बस्तर की नई पहचान बनेगा। बस्तर ओलंपिक 2025 के प्रति लोगों में उत्साह का अंदाज़ा इसी से लगाया जा सकता है कि अब तक बस्तर संभाग के 7 जिलों से 3 लाख 91 हजार 289 खिलाड़ियों ने पंजीयन कराया है। इनमें 1 लाख 63 हजार 668 पुरुष और 2 लाख 27 हजार 621 महिला खिलाड़ी शामिल हैं। यह संख्या न केवल बस्तर के युवाओं का खेलों के प्रति बढ़ते उत्साह को दर्शाती है, बल्कि यह भी साबित करती है कि बस्तर की धरती पर अब खेल एक नई सामाजिक चेतना और समान भागीदारी का प्रतीक बन चुके हैं । प्रतियोगिता में एथलेटिक्स, तीरंदाजी, फुटबॉल, बैडमिंटन, कबड्डी, खो-खो, वॉलीबॉल, कराते, वेटलिफ्टिंग और हॉकी जैसे खेल शामिल हैं। इसमें न केवल आधुनिक खेलों को बढ़ावा दिया जाएगा, बल्कि स्थानीय परंपरा से जुड़े खिलाड़ियों को भी मंच मिलेगा।

> ■ बस्तर संभाग के 7 जिलों से 3 लाख 91 हजार 289 खिलाड़ियों ने कराया पंजीयन

विसखंड स्तर पर प्रतियोगिता 25 से

प्रतियोगिताएं तीन स्तरों-विकासखण्ड, जिला और संभाग स्तर-पर आयोजित हो रही हैं। विकासखण्ड स्तर पर प्रतियोगिता 25 अक्टूबर से, जिला स्तर पर 5 नवंबर से और संभाग स्तर पर 24 नवंबर से आयोजित की जाएगी। विजेताओं को जिला और संभाग स्तर पर नगद पुरस्कार, मेडल, ट्रॉफी और शील्ड प्रदान की जाएगी। नगद राशि प्रत्यक्ष लाभ अंतरण (डीबीटी) के माध्यम से खिलाड़ियों के बैंक खाते में जमा की जाएगी। संभागीय स्तर के विजेता खिलाड़ियों को "बस्तर यूथ आइकॉन" के रूप में प्रचारित किया जाएगा। यह 'स्पोर्ट्स फॉर पीस' मॉडल बस्तर में नई सामाजिक चेतना का प्रतीक बनेगा।

एनएचएम कर्मियों की फीकी दिवाली, न वेतन मिला, न 25 कर्मी की बहाली हुई, एडवांस भी रुका

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

प्रदेशभर के 16 हजार संविदा कर्मचारियों की इस बार दिवाली फीकी रही। न तो उन्हें हड़ताल अवधि का वेतन मिला और न ही 5 फीसदी स्वीकृत वेतन वृद्धि दी गई। इतना ही नहीं, उनका अग्रिम भुगतान भी रुका हुआ है। विभागीय मंत्री के आश्वासन के बाद भी 25 बखर्स्त कर्मचारियों की बहाली नहीं होने से एनएचएम कर्मचारियों में आक्रोश की स्थिति है।

> ■ मंत्रियों के आश्वासन के बाद भी 25 कर्मचारियों की बहाली नहीं होने से नाराजगी

दरअसल, अपनी लंबित मांगों को लेकर हक की आवाज बुलंद करने वाले छत्तीसगढ़ संविदा स्वास्थ्य कर्मचारियों की दिवाली मायूसी के बीच गुजरी। हाल ही में इन कर्मचारियों ने लंबित मांगों को लेकर प्रदेश व्यापी आंदोलन किया। उनकी प्रमुख मांगों में नियमितीकरण, ग्रेड पे, अनुकंपा नियुक्ति सहित अन्य मांगें शामिल रहीं। हड़ताली कर्मचारियों ने जेल भरो आंदोलन, जल सत्याग्रह, चुनरी यात्रा कर अपनी मांगों को पूरी करवाने शासन का ध्यान आकर्षित कराया। छत्तीसगढ़ प्रदेश एनएचएम कर्मचारी संघ के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. अमित मिरी का कहना है, स्वास्थ्य मंत्री ओर मुख्यमंत्री से चर्चा के बाद आंदोलन को स्थगित किया था। चर्चा में 25 पदाधिकारियों की बहाली का आश्वासन दिया गया, वह आज तक पूरा नहीं हुआ है। सरकार इस पर तत्काल हस्तक्षेप कर बर्खास्त कर्मचारियों की बहाली करे, इसी तरह 5 फीसदी स्वीकृत वेतन वृद्धि का लाभ संविदा स्वास्थ्य कर्मचारियों को दिया जाना चाहिए। इसके अलावा दीपावली पर मिलने वाले अग्रिम वेतन का जल्द भुगतान किया जाए।

कलेक्टर ने की मोदी कार्यक्रम के तैयारियों की समीक्षा

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नया रायपुर में 31 अक्टूबर एवं 1 नवंबर को प्रस्तावित कार्यक्रम की तैयारियों के संबंध में बुधवार को कलेक्टर गौरव सिंह ने बैठक बुलाई थी। रेडक्रॉस सभाकक्ष में हुई बैठक में कलेक्टर ने कार्यक्रम से संबंधित सभी तैयारियों की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। इस दौरान कलेक्टर ने कहा कि सभी विभाग आपसी समन्वय के साथ दायित्वों का निर्वहन करें, ताकि प्रधानमंत्री के कार्यक्रम की तैयारियां समयबद्ध और सुचारू रूप से पूर्ण हो सकें। इस अवसर पर एसएसपी लाल उम्मेद सिंह, निगम आयुक्त विश्वदीप, अपर कलेक्टर नम्रता जैन (आईएएस) तथा जिला पंचायत सीईओ कुमार बिश्वरंजन सहित प्रशासन, पुलिस एवं जिला स्तरीय अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

उल्लेखनीय है कि नया रायपुर में राज्य के स्थापना दिवस पर आयोजित होने वाले राज्योत्सव में शिरकत करने प्रधानमंत्री 31 अक्टूबर को रायपुर प्रवास पर आ रहे हैं। उनके आगमन को देखते हुए कलेक्टर ने सभी विभागों के अधिकारियों को प्रधानमंत्री के स्वागत, प्रस्थान से लेकर राज्योत्सव में लगने वाले विभागों की प्रदर्शनी सहित अन्य तैयारियों के संबंध में निर्देश दिए हैं। इस निर्देश के तहत अधिकारियों द्वारा तैयारियां कराई जा रही है।

पार्षद के निर्माणाधीन मकान पर चोरों का धावा, डीवीआर सहित केबल काटकर ले गए

देवपुरी के बाबा गेलाराम नगर की घटना

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

पार्षद अमर गिधवानी के निर्माणाधीन मकान को निशाना बनाकर चोरों ने लाखों रुपए कीमती केबल और डीवीआर समेटकर ले गए। बुधवार को मकान की पूजा करने पहुंचे परिवार को इसकी जानकारी हुई। पार्षद ने इसकी शिकायत टिकरापारा थाने में दर्ज कराई है।

गिदवानी ने बताया कि देवपुरी के बाबा गेलाराम नगर में उनके मकान का निर्माण हो रहा है। वहां चौकीदार भी तैनात किया गया है जो दिवाली की छुट्टी मनाने गया हुआ है। बुधवार को उनका परिवार वहा पूजा करने गया था तो पता चला कि मकान के बाहर का दरवाजे में लगा ताला टूटा पड़ा है। भीतर पहुंचने पर सब दंग रह गए, क्योंकि मकान के भीतर बनाए गए स्टोर में रखे केबल पर चोरों ने हाथ साफ कर दिया था। इतना ही नहीं वे निर्माणाधीन मकान में लगाए जा रहे कैमरे फिट किए गए केबल को भी उखाड़कर ले गए। पार्षद ने इस घटना की जानकारी टिकरापारा थाने में दी है। उन्होंने संदेह जताया है कि मोहल्ले के आसपास रहने वाले असमाजिक तत्वों द्वारा इस घटना को अंजाम दिया गया है। उन्होंने आशंका जताई कि निर्माणाधीन मकान में चोरी की घटनाओं को अंजाम देने के लिए असमाजिक तत्वों का गिरोह सक्रिय है। उन्होंने बताया कि क्षेत्र में इस तरह की घटनाएं पहले भी हो चुकी है। पार्षद की सूचना पर टिकरापारा थाने की पुलिस ने मामला पंजीबद्ध कर आसपास के संदिग्ध लोगों से इसकी पूछताछ कर रही है।

मंत्रालय में अधिकारी के बेटे ने सिपाही को कुचलने की कोशिश की

अलग-अलग सड़क दुर्घटनाओं में चार की मौत

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

राजधानी के अलग-अलग थाना क्षेत्रों में तीन दिन के भीतर सड़क दुर्घटना में चार लोगों की मौत हो गई। इसके अलावा वाहन जांच के दौरान मंत्रालय में अधिकारी के एक बेटा ने एक सिपाही को कार से कुचलने की कोशिश की है। सिविल लाइंस थाना क्षेत्र में तीन दिन पूर्व कलेक्टोरेट चौक के सामने एक तेज रफ्तार बस से कुचलकर एक युवक की मौत हो गई।

आरंग थाना क्षेत्र में बनारसी मोड़ के मार दो बाइक की आमने-सामने टक्कर से एक बच्चे की मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस के अनुसार डागेश्वर अपने बेटे तथा बेटी के साथ बनारसी जा रहा था। इस दौरान सामने से आ रही एक तेज रफ्तार बाइक के चालक ने डागेश्वर की बाइक को सामने से ठोकर मार दी। बाइक की ठोकर लगने से डागेश्वर के बेटा जय के सिर में गंभीर चोट लगने से मौत हो गई। एक्सीडेंट में जय की बहन को भी चोटें आई हैं।

नवा रायपुर में हादसा, एक की मौत

रविवार को नवा रायपुर के सेक्टर-23 मेन रोड में कार तथा बाइक की टक्कर से एक युवक की मौत हो गई। घटना दिनांक को तुषार अग्रवाल अपनी बाइक से जा रहा था। इस दौरान मेन रोड में तेज रफ्तार कार सीजी 05 एएम 7434 के चालक ने लापरवाही पूर्वक कार चलाते हुए तुषार की बाइक को सामने से ठोकर मार दी। सिर तथा शरीर के अन्य अंगों में गंभीर चोट लगने से तुषार की मौत हो गई।

शहर के हृदय स्थल पर हादसा

सिविल लाइंस थाना क्षेत्र में कलेक्टोरेट चौक के सामने सोमवार तड़के एक बस के चालक ने नो एंट्री में लापरवाही पूर्वक बस चलाते हुए पैदल जा रहे सेंट पॉल चर्च के केयर टेकर को कुचल दिया। बस से कुचल जाने की वजह से केयर टेकर प्रवीण मसीह की मौके पर ही मौत हो गई। एक्सीडेंट की घटना के बाद मौके पर 108 की गाड़ी मौके पर नहीं पहुंचने से निगम की गाड़ी में लाश को मरचुरी भेजना पड़ा। एक अन्य घटना में कबीर नगर थाना क्षेत्र के टाटीबंध बाई पास के पास पिकअप सीजी 04 ओडी 7288 के चालक ने बाइक चालक टोमेश्वर निर्मलकर को अपनी चपेट में ले लिया। पिकअप की चपेट में आने से टोमेश्वर की मौके पर ही मौत हो गई।

अधिकारी के शराबी बेटे ने सिपाही को कुचलने की कोशिश की

मंगलवार को पंडरी में साइंस सेंटर के सामने वाहन जांच के दौरान मंत्रालय में अधिकारी के एक शराबी बेटा ने एक पुलिसकर्मी को कार से कुचलने की कोशिश की। घटना दिनांक को सवा आठ बजे पुलिस वाहनों की जांच कर रही थी। इस दौरान कार डब्लूबी 02 एई 7720 को पुलिस ने रोका। कार के ग्लास में ब्लैक फिल्म लगे होने पर पुलिस ने फाइन करने के साथ ही फिल्म उतारने कार का दरवाजा खोला। दरवाजा खोलने सिपाही बृंदावन बिहारी लाल जगत गया। सिपाही दरवाजा खोलता इसके पहले कार चालक ने सिपाही को कुचलने की कोशिश करते हुए मौके से फरार हो गया। कार को पुलिस ने जब रोका तो कार चालक से पुलिस ने नाम पूछा, तो उसने अपना नाम केतन तिवारी बताया है। घटना के बाद केतन अपना मोबाइल बंद कर फरार हो गया है।